हरिभूमि

रायपुर भूमि

हरियाली गायब उड़ रही धूल, पं. विद्याचरण शुक्ल गार्डन खस्ताहाल

निगम गार्डन की फाइल गायब, पहले बगीचे की सुध नहीं ली, अब पूछताछ चली तो नया पेंच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम के जोन-10 से हाल ही में मार्ग संरचना की फाइल गायब होने का मामला अभी थमा नहीं था कि दूसरा मामला सामने आ गया है। अब निगम मुख्यालय के सामने स्थित शहीद पं. विद्याचरण शुक्ल गार्डन की फाइल गायब है। इस गार्डन के एक हिस्से को फूड पार्क में तब्दील करने का काम दो साल पहले हुआ। शर्त रही कि अनुबंधित एजेंसी द्वारा गार्डन का रखरखाव किया जाएगा, पर पूरा ⏭ शेष पेज 13 पर

जुलाई में पूरा होगा अनुबंध, दस्तावेज नहीं होने से कार्रवाई अटकी

नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष भोलाराम साहू ने निगम मुख्यालय के सामने स्थित गार्डन की बदहाली और फूड पार्क से जुड़ी अनियमितता को लेकर दो ⏭ शेष पेज 13 पर

फाइल नहीं दे रहे

निगम गार्डन के रखरखाव में लापरवाही की शिकायत पर हमने उद्यान विभाग के संबंधित अधिकारी से फाइल मंगाई तो फाइल नहीं मिली। जुलाई माह में अनुबंधित एजेंसी का ठेका समाप्त हो रहा है, ऐसे में इससे पहले टेंडर की प्रक्रिया होनी है। नए टेंडर को रोकने फाइल गायब की गई है, ऐसा अंदेशा है। विभागीय अधिकारी गोलमोल जवाब दे रहे हैं, नियम-शर्तों का उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। महापौर को भी इससे अवगत करा दिया है।

- भोलाराम साहू, अध्यक्ष, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग, ननि रायपुर

कार्रवाई होगी, जांच कराएंगे

उद्यान की फाइल गुम होने की जांच कराएंगे। विभाग अध्यक्ष ने इसकी जानकारी दी है, उद्यान विभाग के जिम्मेदार, इंजीनियर और अधिकारी से से इसका जवाब मांगा जाएगा। निगम मुख्यालय से कोई फाइल कैसे गायब हो सकती है? इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे, जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

- मीनल चौबे, महापौर, ननि रायपुर

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2026
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
24/04/2026
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

खबर संक्षेप

रायपुर भाजयुमो की कार्यकारिणी का ऐलान

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा रायपुर की कार्यकारिणी का ऐलान रविवार को शहर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर की सहमति से किया गया। कार्यकारिणी में भाजयुमो के 79 सदस्यों को पद दिए गए हैं। राहुल यादव, अन्वेश पांडेय, गुरमीत सिंह, मुकुंद ठाकुर, शुभांकर द्विवेदी, विशाल शुक्ला, राजन शर्मा उपाध्यक्ष, शंकर साहू, राज गायकवाड़ महामंत्री, गोपी शर्मा, जयप्रकाश फुटान, शुभम पौराणिक, आकाश शर्मा, योगी साहू, सुरेंद्र साहू, सत्यम पांडेय, श्लोक शर्मा मंत्री और विकास मित्तल कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके अलावा चार सह कोषाध्यक्ष सहित अलग-अलग प्रकोष्ठ और विभागों में भी नियुक्ति की गई है।

पंडरी क्षेत्र में दो जगह लगी आग

रायपुर। गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं। शनिवार तथा रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में पंडरी थाना क्षेत्र के एक झाड़ू गोदाम तथा पंडरी स्थित पुराना बस स्टैंड में आगजनी की घटना सामने आई है। हालांकि फायर ब्रिगेड की टीम ने रिस्पांस टाइम पर पहुंचकर दोनों जगहों की आग पर एक घंटे के भीतर काबू पा लिया।

पंडरी थाना क्षेत्र के साइंस सेंटर के पास एक झाड़ू गोदाम में शनिवार देर रात आग लगने की घटना घटित हुई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। गोदाम से सटे एक मकान तक आग फैलने की बात सामने आई है। मकान में रहने वाले लोग जैसे-तैसे कर घर खाली कर बाहर निकले और घर में रखे गैस सिलेंडर को बाहर निकाला। इसी तरह रविवार शाम 4 बजे के करीब पंडरी स्थित पुराना बस स्टैंड में कचरे में लगी आग की चपेट में एक पोस्टर आ गया।

रोहणीपुरम, संतोषी नगर, लक्ष्मीनगर, रायपुरा, चंगोरा, डगनिया सेफ जोन में

रसातल में पानी... आधा दर्जन इलाकों में 800 से 1200 फीट तक नमी की तलाश

प्रदीप शर्मा ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

इस बार की गर्मी में शहर से लगे आउटर इलाके मोवा, सड्डू, भनपुरी, खमतराई, उरला, सिलतरा और वीआईपी रोड में पानी जहां 800 से 1200 फीट तक जा पहुंचा है, वहीं लाखेनगर, अश्विनी नगर, डगनिया, सुंदरनगर, रोहणीपुरम, रायपुरा, चंगोराभाठा, ब्राम्हणपारा, चौबे कालोनी, गीतानगर, संतोषी नगर, लक्ष्मी नगर, भाठागांव, सरोना जैसे पुराने इलाकों में खूब पानी है। वजह यहां बोरिंग कम है और खुली जगह भी बची है। वहीं जो कालोनियां नई बसी हैं और कंक्रीट का जाल सा बिछा है, वहां पानी पाताल में पहुंच गया है।

दरअसल, बारिश के पानी को सहेजने में कोताही का असर राजधानी में दिखने लगा है। कचना में जहां पहले 400 फीट की गहराई में पानी मिल जाता था, अब वहां भूजल स्तर 600 फीट गहराई में जा पहुंचा है। फाफाडीह, खमतराई, शिवानंद नगर, श्रीनगर, अनुपम नगर, श्रीरामनगर फेज 1, फेज 2, राजीवनगर ऐसे रिहाइशी इलाके हैं, जहां भूजल स्तर 600 से 800 फीट चला गया है। गीतांजलि नगर के सेक्टर 1 से 3 के बोरवेल अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में ही सूख गए हैं। जानकारों का कहना है कि ढाई दशक में यह पहला मौका है जब अप्रैल में यह स्थिति बनी है।

तालाबों में गाद जमने से रीचार्ज पाइंट ब्लाक

सुरक्षित नहीं रहे शहर के प्राचीन सरोवर वाले इलाके

भूजल विशेषज्ञ विपिन दुबे का कहना है राजधानी में प्राचीन सरोवर वाले इलाके में जहां पहले भूजल स्तर की स्थिति काफी अच्छी मानी जाती थी, उन इलाकों में तालाब के संरक्षण व संवर्धन में लापरवाही की वजह से गाद की मोटी परत जमने से रीचार्ज पाइंट ब्लाक हो गए हैं। तालाब के आसपास जहां पहले मुरुम व मिट्टी की परत हुआ करती थी, उस जगह पर पक्के पेवर लगाकर कंक्रीटीकरण करने से भूजल स्तर तेजी से गिरा है। महाराजबंध तालाब, बूढ़ातालाब, कटोरातालाब और तेलीबांधा तालाब के ⏭ शेष पेज 13 पर

800 से 1200 फीट : उरला, सिलतरा, भनपुरी

उरला, सिलतरा और भनुपरी में पानी जहां 800 से 1200 फीट नीचे पहुंच गया है, वहीं वीआईपी रोड, सड्डू, मोवा, दलदल सिवनी, पंडरी, सिविल लाइन, गांधी उद्यान एरिया, सीएम हाउस इलाका, जल विहार, पंचशील नगर, श्यामनगर, आनंद नगर, सेजबहार, कचना, राजीवनगर, जीवन विहार, फाफाडीह, शंकर नगर के कुछ इलाके, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, कटोरातालाब, ⏭ शेष पेज 13 पर

सेफ जोन में शहर के ये इलाके

शहर के दर्जनों पुराने रहवासी इलाके ग्राउंड वाटर लेवल के मामले में सुरक्षित जोन की श्रेणी में चिन्हांकित हैं। नगर निगम के पंजीकृत भूजल विशेषज्ञों के मुताबिक यहां 200 से 300 वर्गफीट खनन कराने से बोरवेल में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की स्थिति है। इन इलाकों में डगनिया, अश्विनीनगर, लाखेनगर, सुंदरनगर, डीडीनगर, रायपुरा, चंगोराभाठा, रोहणीपुरम, कंचनगंगा फेज 1, फेज 2, विनायक विहार, पचपेड़ीनाका, टैगोर नगर, ब्राम्हणपारा, तात्यापारा, अवधियापारा, छोटापारा, बढ़ईपारा, रामसागरपारा, गंज पारा, राजातालाब, पुरैना, मठपुरैना, प्रोफेसर कालोनी, लक्ष्मीनगर, चौरसिया कालोनी।

44 डिग्री के टार्चर के बाद गर्मी में थोड़ी नरमी के आसार, एंटी साइक्लोन हो रहा कमजोर

राजधानी रायपुर की गर्मी पिछले साल के 44.2 डिग्री के रिकार्ड के करीब पहुंच गई है। वहीं राजनांदगांव में भी तापमान अपने चरम, यानी 44.5 डिग्री दर्ज किया गया है। गर्मी को जमीन पर रोकने वाला एंटी साइक्लोन धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है, जिससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। अभी प्रदेश के मध्य हिस्से में दिन में उष्ण लहर का प्रकोप है और ग्रीष्म रात्रि की दोहरी मार ने लोगों को हलाकान कर दिया है।

- दिन में लू के हालात के बाद वार्म नाइट की दोहरी मार से लोग हलाकान

जगदलपुर में बारिश से पारा गिरा

पिछले चौबीस घंटे में जगदलपुर इलाके में बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और ठंडी हवा की वजह से हल्की बारिश हुई। इससे वहां के मौसम में बदलाव हुआ और 40 के पार हो चुका पारा दो डिग्री नीचे लुढ़क गया। शेष तमाम शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर चुका है। अगले चौबीस घंटे में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है। अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

शहर के सात प्रमुख मार्गों पर आज छह घंटे तक रहेगी ट्रैफिक जाम की स्थिति

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल पास नहीं होने पर सोमवार को भाजपा की आक्रोश रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल लोकसभा में पारित नहीं होने के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी इंडोर स्टेडियम में सभा करने के बाद आक्रोश रैली निकाल रही है। आक्रोश रैली के चलते शहर के प्रमुख सात ऐसे मार्ग, जहां ट्रैफिक का दबाव रहता है, दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक छह घंटे तक बाधित रहेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने वैकल्पिक मार्ग से आवाजाही करने सलाह दी है।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी के मुताबिक, इंडोर स्टेडियम से ⏭ शेष पेज 13 पर

इन वैकल्पिक मार्गों से आवाजाही

जिन मार्गों से होकर आक्रोश रैली निकाली जाएगी, वहां जाम की स्थिति निर्मित होगी। इसे ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को आवाजाही करने इन वैकल्पिक मार्गों से अपने गंतव्य तक पहुंचने अपील की है। बुढ़ेश्वर चौक से कैलाशपुरी ढाल, पुलिस लाइन गेट से नेहरू नगर की ओर एवं कालीबाड़ी से महिला थाना चौक, कालीमाता तिराहा, आंबेडकर चौक होकर लोग अपने निर्धारित स्थान पहुंचने आवाजाही कर सकते हैं।

इन मार्गों पर आवाजाही बाधित

- बुढ़ेश्वर चौक से गणेश मंदिर तिराहा बूढ़ापारा बिजली ऑफिस चौक।
- श्याम टॉकीज, गणेश मंदिर तिराहा से सदानी चौक, सदर बाजार
- महिला थाना चौक से नेताजी सुभाष स्टेडियम
- कोतवाली चौक से नेताजी सुभाष स्टेडियम
- बंजारी चौक से नेताजी सुभाष स्टेडियम
- कालीबाड़ी चौक से कोतवाली चौक
- आकाशवाणी चौक काली मंदिर से नलघर चौक

राहत की मांग

अमित जोगी को सजा मामले में सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा रामअवतार जग्गी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद अमित जोगी ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उनकी याचिका पर सोमवार 20 अप्रैल को सुनवाई निर्धारित है। अमित जोगी को 3 सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया गया था, जिसके ⏭ शेष पेज 13 पर

सुनवाई का कोई अवसर नहीं दिया

सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संजीव मेहता की पीठ द्वारा की गई। अमित जोगी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा और सिद्धार्थ दवे उपस्थित हुए। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि उच्च न्यायालय द्वारा ⏭ शेष पेज 13 पर

'परीक्षा संगम' पोर्टल पर डेटा अपलोड करेंगे निजी स्कूल

कल से देना होगा विलंब शुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीबीएसई ने दसवीं कक्षा के परिणाम बीते दिनों जारी कर दिए गए। जिन छात्रों के परिणाम अपेक्षाकृत कमजोर रहे हैं, उन्हें सीबीएसई द्वारा एक और मौका दिया जा रहा है। एक विषय में फेल होने या कम नंबर आने की वजह से निराश छात्रों को सीबीएसई अब दूसरा मौका देरहा है। सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं की दूसरी परीक्षा ⏭ शेष पेज 13 पर

- 10वीं कक्षा की दूसरी परीक्षा के लिए मांगी गई छात्र सूची

सिलेबस में बदलाव नहीं

सीबीएसई 10वीं की दूसरी परीक्षा का सिलेबस वही रहेगा, जो मुख्य बोर्ड परीक्षा 2026 का था। यदि फॉर्म भरने के बाद छात्र को लगता है कि वे परीक्षा नहीं देना चाहते तो वे अपना आवेदन वापस ले सकते हैं। यदि छात्र सीबीएसई 10वीं की दूसरी परीक्षा में शामिल नहीं होते हैं तो उनके मुख्य परीक्षा ⏭ शेष पेज 13 पर

इधर, शिकायतें

नियमित छात्र यदि दूसरी परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं तो उनका फॉर्म स्कूल प्रबंधन ही भरेगा। निजी स्कूलों द्वारा इसमें भी मनमानी की शिकायतें सामने आ रही हैं। निजी विद्यालयों को केवल उन्हीं विषयों का परीक्षा शुल्क लेना है, जिसमें छात्र शामिल होना चाहते हैं। इसके उलट, निजी स्कूल छात्रों से ग्रीष्मकालीन ⏭ शेष पेज 13 पर

सोशल मीडिया पर सट्टेबाज को जमकर कर रहे ट्रोल

सोशल मीडिया पर शेखी बघारने वाले सट्टेबाज बाबू खेमानी की रील का मीम बनाकर पुलिस ने उड़ाया मजाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अपने आपको सोशल मीडिया का बड़ा इंफ्लुएंसर समझने वाले सट्टेबाज बाबू खेमानी की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही। तीन दिन की पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद सट्टेबाज को रविवार को अवकाशकालीन कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए सोमवार तक पुलिस ने रिमांड हासिल की है। सट्टेबाज सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की रील पर पुलिस उसी का मीम बनाकर उसका मजाक उड़ा रही है। पुलिस के मीम को लोग ट्रोल करते हुए उसका जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। ⏭ शेष पेज 13 पर

सट्टेबाज ने आग, पानी, बाबू खेमानी से खिलवाड़ नहीं करने की रील बनाई थी

संपर्क में थे 30 से ज्यादा रसूखदार

बाबू खेमानी के कब्जे से पुलिस को एक डायरी मिलने की बात सामने आई है। जब्त डायरी में विधानसभा रोड स्थित एक क्लब संचालक, जिनका नाम पूर्व में महादेव सट्टा एप में जुड़े होने की बात सामने आई थी। बाबू खेमानी का उससे संपर्क होने की बात सामने आई है। इसके साथ ही शराब घोटाले में शामिल एक आरोपी के बेटे के साथ बाबू खेमानी के ⏭ शेष पेज 13 पर

80 से ज्यादा पैनल चलाने वाला बाबू का रिश्तेदार

बाबू खेमानी से पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है, उसके मुताबिक बाबू खेमानी का बिलासपुर निवासी मनोज पंजवानी रिश्ते में भाई लगता है। वह वर्तमान में दुबई शिफ्ट हो गया है। जानकारी के मुताबिक, मनोज पंजवानी सट्टे के 80 से ज्यादा पैनल ऑपरेट करता है। बिलासपुर पुलिस ने वर्ष 2023 में मनोज पंजवानी को गिरफ्तार भी किया था। जेल से रिहा होने के बाद मनोज के दुबई शिफ्ट होने की जानकारी ⏭ शेष पेज 13 पर

इस तरह के कमेंट्स सामने आए

- अब बताना आग किधर लगी है, पानी किधर डालना है
- आग और पानी का पता नहीं, लेकिन बाबू खेमानी के साथ खिलवाड़ हो गया
- एक हमारा नाम भूल गए बाबू भैया ...बस वो ही याद दिलाने ले गई रायपुर पुलिस
- 28 दिन जेल में रखो इसे बाबू गुमनामी हो जाएगा
- सारी हवाबाजी निकल गई, समय जब खेल खेलता है तो यही होता है

खबर संक्षेप

भिलाई चौक में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया

आरंग। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर के जिला अध्यक्ष जी. स्वामी, जिला आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय के निर्देशानुसार तथा जिला सहायक आयुक्त एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में, और विनीता वर्मा (व्याख्याता) के नेतृत्व में भीषण गर्मी को देखते हुए 'सेवा' के आदर्श वाक्य को चरितार्थ करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भिलाई द्वारा भिलाई चौक में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों—तोषनी साहू, रागिनी यादव, भावना निर्मलकर, लोकेश्वरी साहू, लक्षिता धीवर, मोनालिका चंद्राकर, पूर्वांशी चंद्राकर, पारुलता साहू, यमन साहू, लीना साहू, मोरध्वज साहू एवं विद्याभूषण साहू द्वारा राहगीरों को शरबत-पानी का वितरण किया गया। प्याऊ घर का शुभारंभ भिलाई में उपसरपंच रूपकुमार साहू, रूपेश निर्मलकर (सांसद प्रतिनिधि), रामेश्वर साहू (सदस्य, शाला प्रबंधन समिति) एवं तुलसराम साहू (शिक्षाविद) द्वारा किया गया। इस पुनीत कार्य के लिए जिला सचिव मृत्युंजय शुक्ला ने शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य लखन लाल चंद्राकर, व्याख्याता चंदूलाल साहू, प्रधान पाठक सुश्री डॉर्थी तांडी, जितेन्द्र शुक्ला (संकुल समन्वयक), नीरज साहू, लेखिनी निषाद, संकल्प, वंशिका, उमाशंकर, दुर्गेश आदि उपस्थित रहे।

मानसगान स्पर्धा में शिव शक्ति और सरगम प्रथम

आरंग। नवा अंजोर मानस मंडली एवं समस्त ग्रामवासी खौली के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय संगीतमय मानस गान व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, गरियाबंद, बेमेतरा, रायपुर जिले की ख्याति प्राप्त 21 रामायण मंडलियों ने भाग लिया। जिसमें पुरुष वर्ग में प्रथम 3001/- रुपये शिव शक्ति मानस मंडली खमरिया (धमतरी), द्वितीय 2001/- रुपये प्रज्ञा मानस मंडली मरौद (कुरूद), तृतीय 1001/- रुपये सरस्वती मानस मंडली कपसदा (दुर्ग) रही। इसी तरह महिला वर्ग में प्रथम सरगम मानस मंडली भैंसमुड़ी (मगरलोड), द्वितीय गीता के संदेश बालिका मानस मंडली बहुरंग भेंडरी (मानपुर मोहला), तृतीय रामरूचि मानस मंडली कोलियारी (भखारा) को प्राप्त हुआ।खौली के उपसरपंच मुकेश चंद्राकर द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही नवा अंजोर मानस मंडली के संचालक भागी चंद्राकर, अजय चंद्राकर, रमेश साहू, नंदू चंद्राकर, राजेंद्र चंद्राकर, सीताराम चंद्राकर के मार्गदर्शन में भव्य रामायण प्रतियोगिता का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समापन के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमान वतन चंद्राकर एवं गांव के सरपंच राजेंद्र टंडन को श्रीफल, रामदरबार व शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रत्येक मंडली को दी जाने वाली सदाबहार राशि 3001/- रुपये के प्रायोजकों को भी मानस मंच पर रामदरबार, श्रीफल व शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन चंद्रिका साहू (धमतरी) द्वारा किया गया।

गौ सम्मान के लिए महिलाओं ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

आरंग। 27 अप्रैल को आयोजित देश भर में चल रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान को सभी वर्गों का व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। गौ सेवा, सम्मान और संरक्षण के लिए चलाया जा रहा यह राष्ट्रीय अभियान अब एक जन अभियान बनता जा रहा है। इसी कड़ी में आरंग के गुप्ता समाज की महिलाओं ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर इस अभियान को सफल बनाने लोगों से अपील कर रही हैं। वहीं गत दिवस गौ सेवकों ने आरंग में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, नपाध्यक्ष सहित समस्त पार्षदों, सभी मंदिर ट्रस्टों व ग्राम पंचायतों को गौ सम्मान आह्वान अभियान का ज्ञापन सौंपकर इस अभियान को सफल बनाने अपील की।जिस पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सहमति प्रदान करते हुए गौ सेवकों के प्रयासों की सराहना की।

भगवान परशुराम का 11 जोड़ों ने किया अभिषेक और श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

भगवान परशुराम जयंती पर निकाली शानदार शोभायात्रा

तिल्दा नेवरा। तिल्दा-नेवरा में आज ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जयंती बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। सुबह से ही परशुराम भवन में मेले जैसा माहौल देखने को मिला, जहां समाज के हर वर्ग के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।"अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में सुबह भगवान परशुराम जी का 11 जोड़ो के द्वरा अभिषेक का विशेष पूजा अर्चना कर महाआरती की गई । इस मौके पर महिलाओ के द्वारा भजन कीर्तन किया गया। सुबह 10 बजे इस परशुराम भवन से भव्य बाइक रैली निकाली कई,रैली में समाज के उत्साही युवक हाथो में भगुवा ध्वज लेकर जयकारे लगते चल रहे थे । परशुराम भवन से शुरू हुई बाइक रेली .सुभाष चौक .अग्रसेन चौक,गुरुनानकचौक,हेमू कलानी चौक.दिनदयल चौक से स्टेशन चौक होते हुए पशुराम भवन में आकर समाप्त हुई ।

■ तिल्दा नेवरा के जयंती कार्यक्रम में भजन-कीर्तन की धूम मची

रैली का जगह-जगह स्वागत

रैली का कई स्थानों पर स्वागत किया गया, रैली में सत्यप्रकाश शर्मा दीपक शर्मा, डब्बू भाई ,विनय शर्मा , बालकिशन शर्मा, केदार शर्मा, अवतार शर्मा, ,शुभम पाण्डे ,नवयुवक मंडल अध्यक्ष, रितेश शर्मा ओम शर्मा शुभम शर्मा मोहित शर्मा मोहित शर्मा विपुल शर्मा देवव्रत शर्मा त्रिलोक शर्मासहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे । शाम को परशुराम भवन से भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा बैंड बाजे के साथ निकली गई ।शोभा यात्रा में समाज के लोग भगवान के जयकारे लगाते हुए नाचते गाते हुए चल रहे थे। उनके साथ रावत नाच वालों की टोलियां नाचते हुए चल रही थी । भगवान परशुराम की जीवंत झाकी एक सजे रथ पर विराजमान थी I शोभा यात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होकर परशुराम भवन में आकर समाप्त हुई। शोभा यात्रा में समाज के प्रमुखों ने शोभायात्रा में शामिल होकर एकता का संदेश दिया।

अतिथियों का समाज ने किया सम्मान

यात्रा के समापन पर परशुराम चौक में भगवान की महाआरती की गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।महा आरती के बाद परशुराम चौक पर जोरदार आतिश बाजी की गई । इस मौके पर पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिला।"कार्यक्रम के अंत में भवन में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का समाज की ओर से सम्मान कर शाल श्रीफल भेंट किया गया कुल मिलाकर तिल्दा-नेवरा में मनाई गई भगवान परशुराम जयंती ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय रंग में रंग दिया।"शोभा यात्रा में समाज के अध्यक्ष सत्य प्रकाश शर्मा, दीपक शर्मा, शंकर लाल शर्मा, विनय शर्मा ,कृष्णकांत मिश्रा, बैजू शर्मा,केदार शर्मा, नारायण शर्मा,ओम मिश्रा सुरेश शर्मा, डब्बू शर्मा ,,दिनेश शर्मा, महेंद्र शर्मा श्रीमती नूतन शर्मा, बबीता शर्मा निशा संदीप शर्मा,आदि विशेष रूप से शामिल हुए रात को भोजन भोजन भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें समाज के साथ अन्य समाज के लोग भी शामिल होकर भजन प्रसाद ग्रहण किया।

परशुराम जयंती पर गौ सम्मान आह्वान अभियान का शुभारंभ

आरंग। भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव के पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज आरंग विधानसभा के तत्वावधान में गौ सम्मान आह्वान अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समाज के युवा, वरिष्ठजन, पंडित, पुरोहित, विद्यार्थी एवं मातृशक्ति ने एकत्रित होकर गौ माता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान हेतु संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं राष्ट्र चेतना का प्रमुख आधार हैं। गौवंश संरक्षण, संवर्धन और सम्मान केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक उत्तरदायित्व भी है। अभियान का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा के प्रति जनजागरण, समाज में सकारात्मक सहभागिता बढ़ाना तथा शासन-प्रशासन तक गौ संरक्षण की आवाज को सशक्त रूप से पहुंचाना है। अभियान के अंतर्गत

गौशालाओं में सेवा कार्य, गौवंश हेतु चारा-पानी व्यवस्था, जनजागरण कार्यक्रम, युवाओं की सहभागिता, विद्यार्थियों में जागरूकता तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का संकल्प लिया गया।

साथ ही 27 अप्रैल एवं 27 जुलाई (गौ सम्मान दिवस) को विशेष जनअभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में गौ सेवा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को इस जनहितकारी अभियान से जोड़ें। कार्यक्रम में सर्व ब्राह्मण समाज युवा मंच, आरंग विधानसभा के पदाधिकारी, सदस्यगण, वरिष्ठजन, युवा साथी, पंडित-पुरोहित एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

परशुराम संस्थान का मानस यज्ञ 24 से 30 मई तक होगा

आरंग। शनिवार सायंकाल श्री कुमारेश्वर नाथ महादेव मंदिर परिसर महामाया पारा आरंग में श्री परशुराम पुरोहित वैदिक संस्थान की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में संस्थान के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई तथा बढ़-चढ़कर उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक के दौरान संस्थान के सदस्यों द्वारा वार्षिक शुल्क जमा किया गया, जिसकी विधिवत रसीद प्रदान की गई। साथ ही आगामी धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्री रामचरितमानस महायज्ञ का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन 24 से 30 मई तक सप्त दिवसीय कार्यक्रम के रूप में श्री बागेश्वर नाथ महादेव मंदिर प्रांगण, आरंग में संपन्न कराया जाएगा। इस महायज्ञ का उद्देश्य जनकल्याण, आध्यात्मिक जागरण, सामाजिक एकता एवं विश्व शांति का संदेश जन-जन तक पहुंचाना रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सदस्यों ने संकल्प लिया तथा तन-मन-धन से सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्व संस्था "श्री परशुराम पुरोहित परिषद" का नाम परिवर्तित कर अब "श्री परशुराम पुरोहित वैदिक संस्थान" रखा गया है। संस्था का पंजीयन एवं आगामी समस्त सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ इसी नवीन नाम से संचालित की जाएंगी। अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने धर्म, संस्कृति एवं समाज सेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

वजन मापन मेले में गुल्लू के बच्चों ने लगाए स्टाल

आरंग। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से संकुल केंद्र गुल्लू के स्कूलों में 13 अप्रैल को मापन की अवधारणा को स्पष्ट करने हेतु मापन मेले का आयोजन प्राथमिक शाला गुल्लू में किया गया। इसमें बच्चों द्वारा कुल 6 स्टॉल लगाए गए, जिसमें कुल 38 बच्चे शामिल हुए। उन्होंने वजन मापन, लंबाई मापन, ऊँचाई मापन, धारिता मापन, 1 मीटर से तुलना करते हुए मापन तथा हाथों के बीता और कदम से मापन करने के अनूठे तरीकों को सीखा। इस अनूठी प्रक्रिया में बच्चों ने खेल-खेल के माध्यम से स्वयं सीखा एवं दूसरे बच्चों को भी आनंदपूर्वक मापन सिखाया। इस मेले में न केवल बच्चे, बल्कि शिक्षकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर संकुल समन्वयक रोशन चंद्राकर ने सभी स्टॉलों का अवलोकन करते हुए बच्चों से मापन संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका बच्चों ने तर्कपूर्ण उत्तर दिया, जिसकी सराहना की गई। इस मेले में विभिन्न शालाओं से आए प्रधान पाठक गण विनोद साहू, चंद्रलता साहू मैडम तथा शिक्षकगण में आरती बाग, गायत्री मैडम, नीलम मैडम, इंदु चंद्राकर, विष्णु राम साहू, गुलाब साहू, नेमीचंद साहू, कमलेश साहू एवं पूर्व माध्यमिक शाला से इंद्रा प्रजापति मैडम भी शामिल रहीं। शिक्षकों ने अंत में कहा कि यह बच्चों को सिखाने की एक अनूठी और नवाचारी प्रक्रिया है, जो बहुत ही रोचक एवं प्रेरणादायक है। इसे आगामी सत्र में अपने-अपने स्कूलों में भी लागू किया जाएगा। समन्वयक रोशन चंद्राकर द्वारा इसे 'नपई तिहार' नाम दिया गया। अंत में फाउंडेशन से आए मेंटर जय वर्मा द्वारा सभी बच्चों, शिक्षकों एवं पालकों का आभार प्रकट किया गया।

चंदैनी लोकनाट्य महोत्सव 22 से, मंत्रियों को नेवता

आरंग। लोरिक नगर गढ़रीवां में 22 अप्रैल को लोरिक चंदा चंदैनी लोकनाट्य महोत्सव को लेकर खासा उत्साह है। सोसल मीडिया के माध्यम से जोर शोर से प्रचार प्रसार किया जा रहा है।वहीं रविवार को ग्राम के बुजुर्ग सरपंच घसियाराम साहू और पीपला फाउंडेशन के प्रतिनिधि महेन्द्र पटेल ने नया रायपुर में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के कार्यालय पहुंचकर श्रीफल और आमंत्रण पत्र भेंटकर महोत्सव के लिए आमंत्रित किया।

और महोत्सव की रूपरेखा व तैयारियां की जानकारी दिए।साथ ही चंदैनी महोत्सव में शिरकत कर रहे कई साहित्यकारों व चंदैनी लोकनाट्य विधा के जानकारों की मौजूदगी के बारे में बताया। जिस पर मंत्री गुरु खुशवंत ने हर्ष व्यक्त करते हुए आगामी वर्षों में इस विधा पर शोध अध्ययन कराए जाने की बात कहा।

'सेरिखेड़ी में वैकल्पिक व्यवस्था के बिना बेदखली की कार्रवाई अमानवीय हरकत'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

■ कांग्रेस, पार्षद, एनएसयूआई और ग्रामीणों ने दी आंदलन की चेतावनी

धरसींवा विधानसभा अंतर्गत ग्राम सेरिखेड़ी में वर्षों से निवासरत आदिवासी परिवारों को बिना किसी पूर्व सूचना, बिना पुनर्वास और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के जबरन बेदखल किए जाने की घटना ने पूरे क्षेत्र सहित प्रदेशभर में भारी आक्रोश उत्पन्न कर दिया है। यह मामला केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि गरीब, मेहनतकश और मूलनिवासी आदिवासी समाज के अधिकारों पर सीधा हमला है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार का यह निर्णय न केवल अमानवीय है, बल्कि यह आदिवासी विरोधी सोच और गरीब विरोधी नीति का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने सालों तक उस भूमि पर रहकर अपना जीवन बसाया, अपने बच्चों का भविष्य बनाया, आज उन्हें एक झटके में सड़क पर ला खड़ा कर दिया गया।

इस संबंध में जिलाध्यक्ष रायपुर ग्रामीण पप्पू बंजारे ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सेरिखेड़ी में आदिवासी परिवारों के साथ हुआ यह व्यवहार पूरी तरह अन्यायपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार को गरीबों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, न कि उन्हें बेघर करने का काम करना चाहिए। यदि प्रशासन ने शीघ्र ही इस मामले में संवेदनशीलता नहीं दिखाई, तो कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगी।

साथ ही कचना पार्षद प्रतिनिधि जयंत साहू, उपसरपंच शारदा ध्रुव एवं NSUI जिला उपाध्यक्ष संयम सिंह ठाकुर ने भी कड़ा विरोध दर्ज करते हुए कहा कि सरकार तत्काल इस अमानवीय कार्रवाई को रोके और प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाए। नेताओं ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही सकारात्मक पहल नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यापक स्तर पर आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और जनआंदोलन किया जाएगा।

ग्राम टेकारी की ग्रामीण सभा ने दी असामाजिक तत्वों को चेतावनी

आरंग। ग्राम में असामाजिक तत्वों द्वारा संचालित किए जा रहे अवैध गतिविधियों से ग्राम में व्याप्त हो रही अशांति के मद्देनजर ग्रामीणों की मांग पर ग्रामीण सभा ने असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत इन गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर ग्रामीण व्यवस्था अथवा प्रशासनिक कार्रवाई करने/कराने के पहले उन्हें स्वेच्छा से इन गतिविधियों को विराम देने का आग्रह किया गया है। साथ ही दुकानदारों से डिस्पोजल व पानी पाउच भी नहीं उपलब्ध कराने व पियक्कड़ों को सार्वजनिक स्थलों में नहीं पीने-पिलाने का भी अनुरोध किया गया है। सोमवार से इस पर अमल करने का आग्रह करते हुए आगामी 30 अप्रैल तक इस आग्रह का प्रभाव देखने के बाद अगली बैठक में इसकी समीक्षा कर इस संबंध में आगामी रणनीति बनाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान पुलिस अथवा आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई किए जाने की स्थिति में उसकी जिम्मेदारी इन गतिविधियों में लिप्त तत्वों की ही होगी, यह चेतावनी भी दी गई है। ज्ञातव्य हो कि पिछले कुछ समय से ग्रामीणों की ढिलाई के चलते कतिपय असामाजिक तत्वों ने ग्राम का माहौल बिगाड़ना शुरू कर दिया है।

महिला आरक्षण पर सरकार की कथनी-करनी में फर्क

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण को लेकर हमला बोला है। प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गा झा ने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में महिला आरक्षण कानून पारित कर 33 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का दावा तो किया, लेकिन इसे लागू करने की प्रक्रिया को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की मंशा साफ होती तो वर्तमान 543 लोकसभा सीटों में ही लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती थीं। ऐसा करने से कई मौजूदा नेताओं की राजनीतिक स्थिति प्रभावित होती, इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने जैसे विकल्पों पर विचार किया जा रहा है ।

परसदा के स्वास्थ्य शिविर में जागरूकता कार्यक्रम

आरंग। राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आरंग ब्लॉक के ग्राम परसदा में स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र, मुंबई के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आज ग्राम परसदा में एक स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसमें सरपंच प्रीत कुमार जांगड़े एवं राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण संस्थान, मुंबई से डॉ. सोनल मैडम तथा राज्य प्रशिक्षण केंद्र से केश अवस्थी गाइड के रूप में उपस्थित रहीं।

बीमारियों की रोकथाम के बारे में जानकारी दी : इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें विभिन्न रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित ग्रामीणों को मौखिक स्वास्थ्य, तंबाकू एवं शराब के दुष्प्रभाव, स्वच्छता, पोषण, एचपीवी टीकाकरण, खुजली, पर्सनल हाइजीन तथा सामान्य बीमारियों की रोकथाम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थी चंद्रशेखर चंद्राकर और उमेश कुमार साहू ने पोस्टर, स्लोगन एवं स्वस्थ संवाद के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। स्वास्थ्य शिविर में आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया, जिसमें रक्तचाप, वजन एवं अन्य प्राथमिक जांचें शामिल थीं। जिसमें जिला से डॉ. प्रज्ञा, डॉ. कंचन (दंत चिकित्सक) उनकी टीम सहित उपस्थित रहीं। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रीवा के हेल्थ सुपरवाइजर फाल्गुनी राय, नेत्र सहायक अधिकारी नरेश कुमार साहू द्वारा शिविर में आए लोगों की नेत्र जांच की गई। आयुष्मान आरोग्य मंदिर परसदा के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर अंकिता बंजारे, आरएचओ जीतेश्वर देवांगन भी उपस्थित रहे। जरूरतमंद लोगों को उचित परामर्श एवं निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

120 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक और महिलाओं ने लिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

अग्नि सुरक्षा सप्ताह कार्यक्रमों में आग से बचाव की दी गई लाइव जानकारीया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा रायखेड़ा में स्थापित अदाणी पावर लिमिटेड,की अदाणी फाउंडेशन के सामाजिक पहल व सहयोग से अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया गया।इसके तहत ग्राम तारासिव और रायखेड़ा में स्कूलों के विद्यार्थियों और ग्रामीणों को आग से बचाव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूलों और समुदाय स्तर पर आग से बचाव, सतर्कता एवं आपात स्थिति में सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

तारासिव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 59 विद्यार्थी, विद्यालय के प्राचार्य सहित 10 शिक्षक, फायर सेफ्टी विभाग के 4 अधिकारी, अदाणी फाउंडेशन के प्रतिनिधि एवं 5 उत्थान कार्यक्रम से जुड़े सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान फायर सेफ्टी विभाग के दीपक कुमार तथा अदाणी फाउंडेशन के प्रतिनिधि द्वारा आग लगने के प्रमुख कारणों, उससे बचाव के उपायों एवं आवश्यक सावधानियों की लाइव जानकारी दी गई।

रायखेड़ा महिला भवन स्थित सिलाई केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में 45 महिलाएं, सेंटर इंचार्ज, फायर सेफ्टी विभाग के अधिकारी, अदाणी फाउंडेशन की टीम एवं उत्थान सहायक शामिल हुए। इस दौरान महिलाओं को घरेलू एवं कार्यस्थल पर आग लगने के संभावित कारणों, उससे बचाव के उपायों तथा आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। साथ ही अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें महिलाओं ने स्वयं भाग लेकर अभ्यास किया।

दोनों कार्यक्रमों में कुल मिलाकर 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं महिलाओं को आपात स्थितियों में सुरक्षित प्रतिक्रिया देने और अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी प्रदान की गई।

लखना में महिला ने आग लगाकर की आत्महत्या

तिल्दा-नेवरा। तिल्दा थाना क्षेत्र के ग्राम लखना में रविवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक महिला कुमारी साहू 55 साल ने अपने ही घर के कमरे में खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय महिला घर में अकेली थी, जबकि उसकी बेटी पास ही किसी कार्यक्रम में गई हुई थी। दोपहर करीब 1 बजे अचानक घर के अंदर से आग की लपटें उठती दिखीं और महिला की चीख-पुकार सुनाई दी। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन घर का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण वे अंदर नहीं जा सके।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण छत पर चढ़े और छत को तोड़कर आग बुझाने की कोशिश की गई। हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी थी और महिला पूरी तरह से जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही तिल्दा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्राचार्य पदोन्नति में शामिल 45 प्राध्यापकों की सीआर गायब, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उच्च शिक्षा विभाग में उस समय हड़कंप मच गया, जब करीब 45 प्रोफेसरों के गोपनीय प्रतिवेदन के फोल्डर गायब होने की जानकारी सामने आई। इन सभी प्रोफेसरों की पदोन्नति स्नातक प्राचार्य पद पर होनी थी, इसलिए यह मामला और गंभीर हो गया। एसीआर सरकारी कर्मचारी की पदोन्नति और मूल्यांकन प्रक्रिया का अहम आधार होता है। ऐसे में इसका गायब होना पूरे विभाग के लिए चिंता का विषय बन गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. संतोष कुमार देवांगन, आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय ने उच्च शिक्षा सचिव को पत्र लिखकर इन सभी प्रोफेसरों के एसीआर फोल्डर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि संबंधित प्रोफेसरों के गोपनीय प्रतिवेदन संचालनालय में उपलब्ध नहीं हैं, जिससे पदोन्नति प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

आयुक्त उच्च शिक्षा ने विभागीय सचिव को लिखा पत्र सीआर की खोजबीन में पदोन्नति प्रक्रिया में विलंब

पदोन्नति प्रक्रिया होगी प्रभावित

खुलासे के बाद न केवल संचालनालय, बल्कि मंत्रालय स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। बताया जाता है कि विभाग में इन दिनों बड़े पैमाने पर स्नातक प्राचार्यों की पदोन्नति की प्रक्रिया चल रही है। लगभग 100 से अधिक पदों पर नियुक्ति होनी है, जिनमें ये 45 प्रोफेसर भी शामिल हैं। एसीआर फोल्डर का गायब होना सीधे तौर पर इनकी पदोन्नति में बाधा बन सकता है। यदि समय पर फाइलें नहीं मिलती हैं तो पूरी प्रक्रिया में देरी होना तय माना जा रहा है।

मामले की हो निष्पक्ष जांच

इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद संबंधित प्रोफेसरों के बीच चिंता और असमंजस की स्थिति बन गई है। कई प्रोफेसर इस मामले को लेकर अलग-अलग आशंकाएं जता रहे हैं। कुछ का मानना है कि यह महज प्रशासनिक लापरवाही हो सकती है। जबकि कुछ इसे गंभीर अनियमितता के रूप में देख रहे हैं। उनका कहना है कि एसीआर जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गायब होना सामान्य बात नहीं है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

पदोन्नति प्रक्रिया समय पर पूरी करने का दबाव

विभागीय अधिकारियों के लिए भी यह स्थिति चुनौतीपूर्ण बन गई है। एक ओर पदोन्नति प्रक्रिया को समय पर पूरा करने का दबाव है, वहीं दूसरी ओर जरूरी दस्तावेजों की अनुपलब्धता से काम अटक गया है। अब यह देखना होगा कि विभाग इन फाइलों को जल्द से जल्द खोजने या वैकल्पिक व्यवस्था करने में कितना सफल होता है। पूरे मामले ने विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि लापता एसीआर फोल्डर कब तक मिलते हैं और पदोन्नति प्रक्रिया कब तक आगे बढ़ पाती है।

खबर संक्षेप

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी का एयरपोर्ट पर स्वागत

रायपुर। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा के राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेकर दिल्ली से रविवार को रायपुर लौटने पर उनका स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचने पर भाजपा महिला मोर्चा एवं भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात राम मंदिर चौक पर भी उनका आत्मीय स्वागत हुआ, जहां उन्होंने प्रभु श्रीराम के दर्शन कर सफल एवं जनसेवा से परिपूर्ण कार्यकाल के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने मंदिर के संरक्षक राजेंद्र भाई का भी आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीमती वर्मा ने महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी समेत सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

नवाज बने रायपुर उत्तर यूथ कांग्रेस अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस ने नवाज खान को रायपुर उत्तर विधानसभा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत संगठन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव लड़कर की और युवा साथियों के विश्वास से उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष रहते उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन के विस्तार, युवाओं को जोड़ने और जनसमस्याओं के लिए संघर्ष में अहम भूमिका निभाई।

महिला आरक्षण पर सरकार की कथनी-करनी में फर्क

रायपुर। आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण को लेकर हमला बोला है। प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गा झा ने आरोप लगाया कि सरकार ने 2023 में महिला आरक्षण कानून पारित कर 33 प्रतिशत हिस्सेदारी देने का दावा तो किया, लेकिन इसे लागू करने की प्रक्रिया को जनगणना और परिसीमन से जोड़कर टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की मंशा साफ होती तो वर्तमान 543 लोकसभा सीटों में ही लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती थीं।

अजय बने भाजयुमो रायपुर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) रायपुर जिलाध्यक्ष अर्पित सूर्यवंशी ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इस घोषणा के तहत रायपुर ग्रामीण मंडल में अधिवक्ता अजय साहू को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। उनकी नियुक्ति पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर होगा कार्यक्रम

रायपुर। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब ने इसे भव्य उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में प्रेस क्लब की कार्यकारिणी द्वारा पूर्व में पारित प्रस्ताव के अनुरूप विगत दिनों को बैठक के दौरान कार्यक्रम की प्रारंभिक तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि हिंदी पत्रकारिता दिवस के इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए क्लब द्वारा व्यापक स्तर पर आयोजन किया जाएगा।

इंडोर स्टेडियम से निकलेगी पदयात्रा नेताजी सुभाष स्टेडियम में होगी सभा

भाजपा की आक्रोश रैली, महिलाएं करेंगी नेतृत्व मुख्यमंत्री, सारे मंत्री, सांसद, विधायक भी रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पास न होने को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने विपक्ष की भूमिका को लेकर देशभर में आक्रोश रैली निकालकर जनता के बीच विपक्ष की महिलाओं को लेकर मानसिकता उजागर करने का फैसला किया है। इसी कड़ी में सोमवार को दोपहर 3 बजे राजधानी रायपुर से आक्रोश रैली और सभा रखी गई है। आक्रोश रैली पदयात्रा के रूप में इंडोर स्टेडियम से प्रारंभ होगी। यह पदयात्रा सुभाष स्टेडियम में समाप्त होगी। यहां पर सभा होगी। पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा की महिला सदस्य करेंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्रिमंडल के ज्यादातर मंत्री, विधायक और सांसद तो रहेंगे ही, साथ ही प्रदेशभर की महिला जनप्रतिनिधि महापौर से लेकर पंच-सरपंच भी शामिल होंगी।

25 हजार से ज्यादा महिलाओं के शामिल होने का दावा किया जा रहा है।

लोकसभा में नारी शक्ति अधिनियम के मंजूर न होने के बाद से भाजपा इस मामले को लेकर देशभर में विपक्ष के खिलाफ आक्रोश रैली निकालेगी। इसको लेकर अपने प्रदेश में भी भाजपा ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री निवास में बैठक कर इसकी रणनीति भी बनाई गई है। आक्रोश रैली के लिए प्रदेशभर से भाजपा के साथ ही अलग-अलग समाज के वर्ग ही महिलाएं भी इंडोर स्टेडियम में एकत्रित होंगी। रैली का नेतृत्व प्रदेश की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, लता उसेंडी, महापौर मीनल चौबे, महिला मोर्चा की अध्यक्ष विभा अवस्थी करेंगी।

ये होंगे शामिल

इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया होने के नाते मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तो रहेंगे ही, साथ ही डिप्टी सीएम अरुण साव भी शामिल होंगे। एक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा चूंकि बंगाल चुनाव में लगे हैं, इसलिए वे कार्यक्रम में नहीं रहेंगे, लेकिन प्रदेश के अन्य मंत्रियों में ओपी चौधरी, केदार कश्यप, रामविचार नेताम, टंकराम वर्मा सहित ज्यादातर मंत्री जरूर रहेंगे। इसी के साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, सभी महामंत्री और पदाधिकारी, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू सहित प्रदेशभर के ज्यादातर विधायक भी रहेंगे। प्रदेश के ज्यादातर पुरुष सांसद भी कार्यक्रम में रहेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश की सभी महिला सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पार्षद, पंच और सरपंच महिलाएं भी रहेंगी। नेताजी सुभाष स्टेडियम में होने वाली सभा में मंच संभालने का काम भी महिलाएं करेंगी। प्रदेश के मंत्रियों के साथ ही सभी पुरुष जनप्रतिनिधि और भाजपा नेता मंच से नीचे रहेंगे।

ये होंगे शामिल

इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया होने के नाते मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तो रहेंगे ही, साथ ही डिप्टी सीएम अरुण साव भी शामिल होंगे। एक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा चूंकि बंगाल चुनाव में लगे हैं, इसलिए वे कार्यक्रम में नहीं रहेंगे, लेकिन प्रदेश के अन्य मंत्रियों में ओपी चौधरी, केदार कश्यप, रामविचार नेताम, टंकराम वर्मा सहित ज्यादातर मंत्री जरूर रहेंगे। इसी के साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, सभी महामंत्री और पदाधिकारी, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू सहित प्रदेशभर के ज्यादातर विधायक भी रहेंगे। प्रदेश के ज्यादातर पुरुष सांसद भी कार्यक्रम में रहेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश की सभी महिला सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पार्षद, पंच और सरपंच महिलाएं भी रहेंगी। नेताजी सुभाष स्टेडियम में होने वाली सभा में मंच संभालने का काम भी महिलाएं करेंगी। प्रदेश के मंत्रियों के साथ ही सभी पुरुष जनप्रतिनिधि और भाजपा नेता मंच से नीचे रहेंगे।

बैज ने कहा- महिला आरक्षण को लेकर झूठ और भ्रम फैला रही भाजपा

महिला आरक्षण बिल पर मुख्यमंत्री और भाजपा नेताओं की पत्रकारवार्ता पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक झूठ बोल रहे हैं। भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को लेकर लगातार झूठ और भ्रम फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया, इसलिए संसद में बिल पास नहीं हो सका। भारतीय जनता पार्टी झूठ बोल रही है। महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023) 128वां संविधान संशोधन सितंबर 2023 में संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है तथा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस पर हस्ताक्षर कर चुकी हैं तथा यह कानून भी बन चुका है। भाजपा इस आरक्षण बिल को क्यों लागू नहीं कर रही है? इस बिल के आधार पर तुरंत आरक्षण प्रभावी हो सकता है। उन्होंने कहा, भाजपा ने 16 अप्रैल को जो विधेयक संसद में प्रस्तुत किया 131वां संविधान संशोधन अधिनियम, इसमें महिला आरक्षण के संदर्भ में नहीं, भाजपा महिला आरक्षण को मुखौटा बनाकर परिसीमन संशोधन बिल तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को पास करवाना चाहती थी। संसद में जो विधेयक गिरा, उसमें इस विधेयक में लोकसभा परिसीमन की सीटें 850 करने का प्रस्ताव था। राज्यों में 815 सीटें तथा केंद्रशासित प्रदेशों में 35 सीटें। परिसीमन विधेयक, जिसमें परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात की गई थी। विधेयक में पांडुचेरी, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर के कानूनों में संशोधन की बात की गई थी, ताकि परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक लागू किया जा सके।

महिलाओं को सत्ता में बराबर की भागीदारी देना ही नहीं चाहती कांग्रेस : चंद्रशेखर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास नहीं होने पर पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू ने कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल को लटकाकर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों का महिला विरोधी चरित्र उजागर हुआ है, हैरानी की बात यह है कि उन पार्टियों की महिला सांसदों ने भी अपनी अंतर्रात्मा को मारकर बराबर सहयोग दिया। श्री साहू ने कहा कि संविधान बचाने की बात कहने वाले ये विपक्षी दल संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की उस बात को भूल गए, जिसमें उन्होंने कहा था कि राजनीतिक लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक कि समाज के हर वर्ग, खासकर महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व न मिले। इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी अपनी ही दिवंगत नेता इंदिरा गांधी के वक्तव्य को भी भूल गई, जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में महिलाओं की भागीदारी केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती है। इससे साफ पता चलता है कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां महिलाओं को सत्ता में बराबर की भागीदारी देना ही नहीं चाहतीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने देश के प्रत्येक वर्ग के विकास और उत्थान की दिशा में काम करना शुरू किया। इस कड़ी में महिलाओं को खुले में शौच से आजादी दिलाने सरकारी पैसे से उनके घरों में शौचालय बनवाए। उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने विभिन्न योजनाएं शुरू कीं, जिसमें उन्हें ब्याजमुक्त या नाममात्र ब्याज दर पर ऋण सुविधाएं शामिल हैं, जिनका नतीजा है कि आज देश में 3 करोड़ के करीब लखपति दीदी हैं और यह क्रम निरंतर जारी है। महिला सशक्तिकरण की इसी दिशा में अब सत्ता में उन्हें भागीदारी देने की तैयारी थी, लेकिन संसद में आवश्यक बहुमत न होने से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा दिखाए गए एक बार फिर महिला विरोधी कृत्य के चलते इस बार मोदी सरकार भले ही विफल हो गई, लेकिन आने वाले दिनों में मोदी सरकार इस पवित्र काम को जरूर पूरा करेगी।

सात साल में सिर्फ 83 फीसदी परिवारों को नल कनेक्शन

- 19 हजार से ज्यादा गांवों में से सिर्फ 6848 गांव ही हर घर जलग्राम घोषित
- सैकड़ों गांवों में टंकियां बन गईं, लेकिन बोर नहीं होने से पेयजल आपूर्ति नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सभी गांवों के हर घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 7 साल पहले शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना का बुरा हाल है।प्रदेश के 49 लाख 96 हजार परिवारों में अब तक सिर्फ 41 लाख 49 हजार परिवारों यानी 83 फीसदी को ही नल कनेक्शन दिए जा सके हैं। इस योजना पर अब तक 35 सौ करोड़ से ज्यादा खर्च हो चुके हैं।

केंद्र सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के 33 जिलों के 19656 गांवों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 15 अगस्त 2019 से यह योजना शुरू की गई थी, लेकिन योजना की धीमी रफ्तार के कारण 7 वर्षों में भी लाखों परिवारों को नल कनेक्शन नहीं दिए जा सके हैं। सैकड़ों गांव ऐसे भी हैं, जहां नल कनेक्शन तो दिए जा चुके हैं, लेकिन टंकी का निर्माण नहीं होने या बोर खनन नहीं होने के कारण वहां पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

सिर्फ 4 जिलों में 90 फीसदी से ज्यादा नल कनेक्शन

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश के 33 जिलों में सिर्फ 4 जिले ही ऐसे हैं, जहां 90 फीसदी से ज्यादा परिवारों को कनेक्शन देने का दावा किया गया है। इनमें सबसे 99.51 फीसदी कनेक्शन धमतरी जिले में दिए गए हैं। रायपुर जिला नल कनेक्शन के मामले में दूसरे नंबर पर है, यहां 97.27 फीसदी घरों में कनेक्शन दिए गए हैं। जांजगीर-चांपा जिले में 92.57 और राजनांदगांव जिले में 92.45 फीसदी घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। दुर्ग जिले में भी 89.83 फीसदी घरों में नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं।

5 जिलों में 70 फीसदी या उससे कम कनेक्शन

प्रदेश के 5 जिले ऐसे भी हैं, जहां अब तक 70 फीसदी या उससे कम नल कनेक्शन दिए गए हैं। ये सभी आदिवासी बहुल जिले हैं। इनमें सरगुजा में 70.90 फीसदी, सूरजपुर में 70.51 फीसदी जशपुर में 68.54 फीसदी, नारायणपुर में 68.54 फीसदी और बीजापुर में 59.57 फीसदी ही कनेक्शन अब तक दिए गए हैं।

एक तिहाई गांवों के हर घर में नल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रदेश के एक तिहाई, यानी 6848 गांवों के 100 फीसदी घरों तक नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं। इनमें से कितने गांवों तक पेयजल की नियमित आपूर्ति हो पा रही है, यह स्पष्ट नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, जिन जिलों के शत-प्रतिशत घरों तक कनेक्शन दिए जा चुके हैं, उनमें बालोद के 312, बलौदाबाजार-भाटापारा के 356, बलरामपुर-रामानुजगंज के 71, बस्तर के 126, बेमेतरा के 315, बीजापुर के 102, बिलासपुर के 157, धमतरी के 609, दुर्ग के 159, महासमुंद के 350, कबीरधाम के 346 गांव शामिल हैं।

सिटी विकास प्लान सहित नगरीय निकायों की योजनाओं की समीक्षा करेंगे साव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में सिटी विकास प्लान सहित नगरीय निकाय विभाग की कई योजनाएं जमीन पर नहीं उतर पाई हैं। सरकार इस पर सख्त है। इसे लेकर उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव राजधानी रायपुर में दो दिनों तक मैराथन बैठक कर राज्य के सभी नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। वे इस दौरान सभी निकायों में विकास कार्यों की प्रगति तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेंगे। बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी निगम आयुक्तों तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने वरिष्ठ अभियंताओं के साथ बैठक में मौजूद रहने कहा है। बताया जाता है कि नगरीय निकायों को सिटी डेवेलपमेंट प्लान के प्रस्ताव मंगाए गए थे। कई जगह वार्डवार योजनाएं बनाई गई थीं, लेकिन इस पर अमल नहीं हो पाया। बैठक में इसे प्रमुख एजेंडे के रूप में शामिल किया गया है। सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस कन्वेंशन-हॉल में 20 अप्रैल को सुबह 10 बजे से प्रदेश के सभी नगर निगमों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। वे दोपहर ढाई बजे से नगरपालिकाओं के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

इन कार्यों और योजनाओं की होगी समीक्षा

उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव दो दिवसीय मैराथन बैठक के दौरान नगरीय निकायों में राजस्व वसूली, विद्युत देयकों के भुगतान, वेतन भुगतान, अधोसंरचना विकास व 15वें वित्त आयोग के कार्यों, नालंदा परिसरों, नगरोत्थान योजना, जलप्रदाय योजनाओं, आपदा प्रबंधन, गोधाम योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि योजना, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, आई-गॉट कर्मयोगी तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों की समीक्षा करेंगे।

सेरीखेड़ी ओवरब्रिज के नीचे बसे गरीब मजदूरों के मकान तोड़े गए, कांग्रेस ने की कड़ी निंदा

भरी गर्मी में बिना पुनर्वास के गरीबों के घर तोड़ना अमानवीय और क्रूर कार्रवाई : बंजारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सेरीखेड़ी ओवरब्रिज के नीचे 30 वर्षों से बसे गरीब मजदूर परिवारों के मकान बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के तोड़े जाने की जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पप्पू बंजारे ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा, हमने पहले ही कलेक्टर गौरव सिंह को ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया था कि बिना पुनर्वास के इन गरीब परिवारों को न हटाया जाए।

भाजपा सरकार और रेलवे प्रशासन ने हमारी मांग को ठुकरा दिया। भरी गर्मी में 50 गरीब परिवारों के घर तोड़ दिए गए। ये परिवार 50 वर्षों से यहां शांतिपूर्वक रह रहे थे। इनके पास राशनकार्ड, आधारकार्ड, वोटर आईडी और प्रधानमंत्री आवास योजना के दस्तावेज भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार की यह असंवेदनशीलता गरीबों के प्रति उनके घोर तिरस्कार को दिखाती है। बच्चे स्कूल जा रहे थे, महिलाएं और बुजुर्ग इस जगह से गहराई से जुड़े थे, लेकिन सरकार ने उन्हें सड़क पर लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, यह कार्रवाई निंदनीय है, अक्षम्य और पूरी तरह से गलत है। बिना वैकल्पिक आवास दिए घर तोड़ना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

मुआवजे की मांग, पुनर्वास नहीं किया तो आंदोलन

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण या मांग करती है कि रेलवे द्वारा तोड़े गए मकानों का तत्काल मुआवजा दिया जाए। प्रभावित सभी 50 परिवारों को नया रायपुर या उपयुक्त जगह पर प्रधानमंत्री आवास योजना या राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के तहत तुरंत पुनर्वासित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि इन गरीब परिवारों का पुनर्वास नहीं किया तो जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगी।

40 हजार के एसी पर होना था चार हजार का फायदा, अब और चार हजार देने पड़ रहे ज्यादा

जीएसटी की राहत, पर गर्मी में एसी के बढ़े दामों की आफत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्र सरकार ने आम जनता को फायदा पहुंचाने के लिए बीते साल सितंबर में जीएसटी के स्लैब में बदलाव किया था, लेकिन ज्यादातर उत्पादों पर इसका कुछ समय तक ही ग्राहकों को फायदा मिल सका, इसके बाद दाम बढ़ा दिए गए। एसी पर भी दस फीसदी जीएसटी कम हुई थी। ऐसे में 40 हजार की एसी पर चार हजार रुपए कम हो गए थे। ग्राहकों को लगा था कि इस बार गर्मी के सीजन में उनको फायदा होगा, लेकिन एसी बनाने वाली कंपनियों ने आपदा में अवसर का लाभ उठाते हुए अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध का कारण बताते हुए एसी के दाम सीजन से पहले 20 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। हालांकि दाम बढ़ने के बाद भी अपने प्रदेश में एसी खूब बिक रहे हैं, क्योंकि आसमान से लगातार आग बरस रही है और पारा आसमान पर जा रहा है। गर्मी के सीजन का आगाज हुआ तो इस बार ग्राहक यह सोच रहे थे कि उनको बीते साल जीएसटी के कम होने का एसी में फायदा मिलेगा। यह फायदा फरवरी तक जरूर मिला, लेकिन इस समय तक ज्यादा एसी बिकते नहीं हैं और लोग खरीदते भी नहीं हैं। जैसे ही मार्च में गर्मी ने जोर पकड़ा और एसी की डिमांड में इजाफा होना प्रारंभ हुआ, वैसे ही एसी बनाने वाली कंपनियों ने दाम में इजाफा करना प्रारंभ कर दिया। अप्रैल के प्रारंभ होने पर यह इजाफा 20 फीसदी तक पहुंच गया।

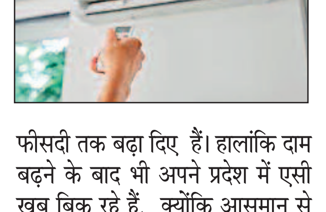

चार हजार का फायदा नहीं फटका

एसी में जीएसटी 28 प्रतिशत के स्थान पर 18 फीसदी होने के कारण 40 हजार की एसी पर चार हजार बचने थे, लेकिन दाम 20 फीसदी बढ़ने के कारण अब उल्टे चार हजार का ज्यादा फटका लग रहा है। जो 40 हजार का एसी 36 हजार में मिलना चाहिए था, वह एसी अब 44 हजार में मिल रहा है। इसी तरह से सभी एसी में हो रहा है।

तीन साल में कारोबार डबल

एसी का कारोबार बड़ा होता है। ब्रांडेड एसी 30 हजार से एक लाख तक के आते हैं। पहले एसी कम बिकते थे, लेकिन बीते तीन सालों से एसी की डिमांड बढ़ गई है। हर साल 15 से 20 हजार एसी ज्यादा बिक रहे हैं। तीन साल पहले प्रदेश में 50 हजार के आसपास ही एसी बिकते थे, लेकिन जहां 2023 में 65 हजार के आसपास एसी बिके, वहीं 2024 में 80 हजार बिके। बीते साल सवा लाख एसी बिके। ऐसे में बीते साल 45 हजार एसी ज्यादा बिके, यानी कारोबार में 50 फीसदी का इजाफा हो गया। इस बार डेढ़ लाख से ज्यादा एसी बिकने की संभावना है। इसका आगाज भी हो गया है। फरवरी के अंतिम सप्ताह से एसी बिकने का क्रम प्रारंभ हुआ है। मार्च के पूरे माह और अप्रैल के पहले तीसरे सप्ताह को मिलाकर 70 हजार से ज्यादा एसी बिक गए हैं। अब बचे अप्रैल और मई में 80 हजार से ज्यादा एसी बिकने की संभावना है।

दाम बढ़े फिर भी अच्छी डिमांड

एसी के दाम में करीब 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया है, लेकिन इसके बाद भी डिमांड कम नहीं हो रही है। इस सीजन में प्रदेश में डेढ़ लाख एसी बिकने की संभावना है।

\- राजेश वासवानी, एसी कारोबारी

खबर संक्षेप

मनाया राष्ट्रीय गणित दिवस, छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

रायपुर। शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय धरसींवा में तीन दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय गणित दिवस-2025 का समापन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में अतिथियों द्वारा विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया एवं प्रमाण-पत्र वितरित किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा करंजगांवकर ने विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित में पूछे जाने वाले तार्किक प्रश्नों को हल करने संबंधी तरीके बताए। साथ ही आर्ट और क्रिएटिविटी में गणित की भूमिका को रोचक और आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया। इसी दौरान शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अशोक कुमार आडिल एवं रविवि के प्रो. डॉ. बीएस ठाकुर ने मैथमेटिक्स, आर्ट और क्रिएटिविटी पर आधारित व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में डॉ. निधि देवांगन, डॉ. जी. नाग भार्गवी, हेमंत देशमुख, डॉ. स्वाति शर्मा, जितेंद्र मौर्य, शीतल, गरिमा देवांगन, नोना धीवर, किरण पाण्डेय, संदीप कुमार, दीक्षा साहू, नेहा वर्मा, तरन्नुम कौसर एवं छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित न होना दुर्भाग्यपूर्ण

रायपुर। लोकसभा के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक का पारित न हो पाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। सामाजिक कार्यकर्ता व महिला नेत्री सावित्री जगत ने कहा, आज महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया गया, जिस पर मतदान भी हुआ। 298 सदस्यों ने इसके समर्थन में मतदान किया, जबकि 230 वोट इसके विरोध में पड़े। दुर्भाग्यवश आवश्यक दो-तिहाई बहुमत प्राप्त न होने के कारण यह महत्वपूर्ण विधेयक पारित नहीं हो सका। उन्होंने कहा, यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के अधिकारों के लिए भी आघात है। यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती, जिससे महिलाओं को सशक्त नेतृत्व का अवसर मिलता।

निधन

डॉ. हनुमंत यादव

रायपुर। एचआईजी-71 सेक्टर 1, डीडीनगर निवासी डॉ. हनुमंत यादव का 19 अप्रैल को निधन हो गया। वे रविवि के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व प्राध्यापक थे।

रेखा डोनगांवकर

रायपुर। तात्यापारा निवासी रेखा डोनगांवकर (78) का 18 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 अप्रैल को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद
तहसील- मंदिर हसौद जिला- रायपुर

// आम सूचना //

जारी दिनांक 10/04/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक श्रीमति शुभावती शर्मा पिता/पति हरेन्द्र कुमार निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम नकटा पटवारी हल्का नंबर 14 राजस्व निरीक्षक मंडल- मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा 87/2 रकबा 0.02 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 10/02/2026 के परिपालन में दिनांक 24/04/2026 को समय 1.00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 14 के नकटा में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मंदिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद

टिनकी के दूसरे नाम, कुरुख का संबंध किससे, किस शरभपुरी शासक ने जारी किए स्वर्ण सिक्के?

- व्यापम परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा : शामिल हुए 63% अभ्यर्थी
- 114000 अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन, इनमें 9380 रायपुर के

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। परिवहन विभाग में आरक्षक के 50 पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा हुई। इस परीक्षा के लिए व्यापम को प्रदेशभर से एक लाख 14 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से मात्र 63 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए। यह लिखित परीक्षा एक पाली में सुबह 11:00 बजे से 01:15 बजे तक आयोजित हुई। 16 जिला मुख्यालयों में इसके लिए केंद्र बनाए गए थे। प्रवेशपत्र 16 अप्रैल को व्यापम ने अपने आधिकारिक वेबसाइट में अपलोड कर दिए थे। परिधानों के रंग, समय अथवा अन्य किसी विषय को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई।

गौरतलब है कि व्यापम के साथ पर कर्मचारी चयन मंडल का गठन किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। कर्मचारी चयन मंडल के अस्तित्व में आने के पूर्व तक भर्ती व प्रवेश परीक्षाएं व्यापम ही आयोजित करता रहेगा।

जटिल रहे सवाल

व्यापम द्वारा हाल ही में आयोजित अन्य भर्ती परीक्षाओं की तुलना में परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों का स्तर कठिन रहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित दो सवाल परीक्षार्थियों से किए गए। इसके अतिरिक्त भारत के राष्ट्रपति का कालानुक्रम, पोत परिवहन मंत्रालय का नाम परिवर्तन, छग विधानसभा नेता प्रतिपक्ष के नाम, वनोत्पाद आधारित उद्योग, राजनांदगांव में सरस्वती पुस्तकालय की स्थापना, पंचायती राज अधिनियम, मधुमेह व उच्च रक्तचाप जांच प्रक्रिया जैसे सवाल परीक्षा का हिस्सा रहे। गणित के सवालों ने भी घुमावदार होने के कारण अधिक वक्त लिया।

इस तरह के सवाल

- कुरुख बोली का संबंध किस जाति से है?
- नाचा का भीष्म पितामह किसे कहा जाता है?
- बोधघाट परियोजना किस नदी पर है?
- आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार छग में प्रति व्यक्ति आय 2024-25 में कितनी संभावित है?
- छग के मराठा सुबेदारों का कार्यकाल।
- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 में कब से कब तक मनाया गया?
- टिनकी वाद्ययंत्र को किन-किन नामों से जाना जाता है?
- राजनांदगांव में सरस्वती पुस्तकालय की स्थापना कब हुई?
- सरहुल पर्व किस जनजाति द्वारा मनाया जाता है?
- किस शरभपुरी शासक ने स्वर्ण सिक्के जारी किए?
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर ने मुख्य रूप से किस सेवा में योगदान दिया है?
- एनईपी का उद्देश्य किस शिक्षा स्तर का सार्वभौमीकरण करना है?

आईआरसीटीसी की धार्मिक यात्रा में अब 40 प्रतिशत लोग चुन रहे ईएमआई की सुविधा

भारत गौरव ट्रेन में 900 रुपए की आसान किस्तों में कर सकेंगे 7 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ट्रेन के जरिए धार्मिक यात्रा करने के लिए आईआरसीटीसी समय-समय पर योजनाएं बनाता रहा है। बीते कुछ वर्षों में सात ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए जब से आईआरसीटीसी ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन में ईएमआई बुकिंग की सुविधा शुरू की है, यात्रियों का रुझान इस ट्रेन की ओर तेजी से बढ़ा है। पहले टिकट और अन्य सुविधाओं का एकमुश्त खर्च अधिक होने से कई यात्री इस ट्रेन से यात्रा करने से पीछे हट जाते थे। इस वजह से कई बार ट्रेन की सीटें खाली भी रह जाती थीं। अब ईएमआई की सुविधा के तहत 900 से 1000 रुपए की आसान किस्तों के साथ यात्री ट्रेन में बुकिंग करा रहे हैं और ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का लाभ ले रहे हैं।

हरिभूमि की पड़ताल में पता चला कि रायपुर से कई यात्रियों ने 27 अप्रैल से 8 मई के बीच होने वाली भगवान शिव के सात ज्योतिर्लिंगों की यात्रा के लिए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के टिकट ईएमआई पर बुक कराए हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के आईआरसीटीसी अधिकारियों ने बताया कि कई यात्रियों को एकमुश्त पेमेंट करने में दिक्कत होती थी। ऐसे यात्री अब यात्रा का खर्च आसान किस्तों के जरिए चुका सकते हैं। इस पहल से न केवल दपूमरे जोन, बल्कि देशभर के विभिन्न जोनों से तीर्थयात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। अब आईआरसीटीसी की इन धार्मिक यात्राओं में सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी बढ़ रही है। 40 प्रतिशत लोग ईएमआई का विकल्प चुन रहे हैं।

ईएमआई पर धार्मिक यात्रा

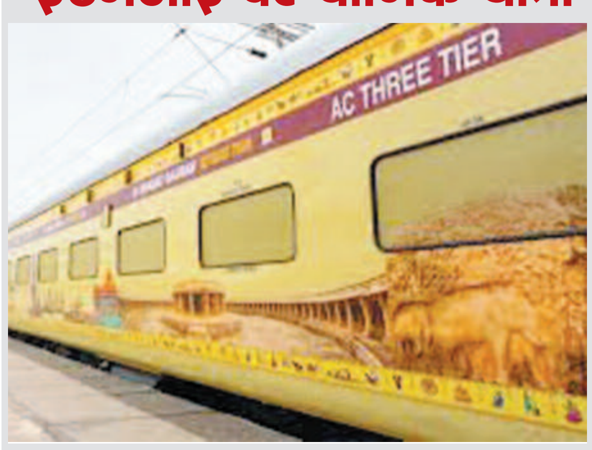

ट्रेन में आधुनिक सुविधाएं

रेलवे द्वारा चलाई जाने वाली टूरिस्ट ट्रेन, अलग-अलग बजट के हिसाब से कई केटेगरी की सुविधा देती है, साथ ही एक आरामदायक तीर्थयात्रा का अनुभव भी देती है। पैकेज में 2एसी, 3एसी और स्लीपर क्लास कोच में यात्रा के साथ-साथ शाकाहारी खाना, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना शामिल है। श्रद्धालुओं को चुनी गई केटेगरी के आधार पर एसी या नॉन-एसी बसों से स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाता है।

नुकसान से बचाव, यात्रियों को भी सहूलियत

पहले पर्याप्त यात्री नहीं मिलने के कारण कई बार रेलवे को परिचालन में नुकसान उठाना पड़ता था। ईएमआई की सुविधा शुरू होने से यह समस्या भी दूर हो गई है। अब यात्री सेकंड एसी (प्रीमियम) की 53,260 रुपए के महंगे टिकट को भी सालभर की आसान किस्तों में बुक करा रहे हैं। इसके अलावा यह सुविधा 23500 रुपए वाले स्लीपर कोच के टिकट पर भी उपलब्ध है। यात्री आईआरसीटीसी के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर, जरूरी टूर डिटेल्स दर्ज करके और अपना पसंदीदा पेमेंट ऑप्शन चुनकर इस ईएमआई सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। बुकिंग के दौरान सिस्टम यात्रियों को एकमुश्त भुगतान या ईएमआई का विकल्प देता है, जिससे यात्रियों को अपने बजट के अनुसार टिकट बुक करने में ज्यादा आसानी और सहूलियत मिलती है।

12 दिन की यात्रा, 751 सीटें और तीन केटेगरी में सफर का विकल्प

27 अप्रैल से 8 मई (11 रातें और 12 दिन) तक सात ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए इस यात्रा के लिए ट्रेन में कुल 751 बर्थ हैं। इनमें 2 एसी की 49, 3 एसी की 210 और स्लीपर क्लास की 492 सीटें शामिल हैं। इकॉनॉमी केटेगरी (स्लीपर क्लास) में इसका किराया प्रति व्यक्ति 23,500 रुपए और बच्चों (5–11 साल) के लिए 22,160 रुपए है। इसमें स्लीपर कोच में सफर, डबल या ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर नॉन-एसी होटलों में रुकना, बेसिक 'वॉश एंड चेंज' की सुविधा और घूमने के लिए नॉन-एसी लोकल ट्रांसपोर्ट शामिल है। स्टैंडर्ड केटेगरी (थर्ड एसी) में इसका किराया प्रति व्यक्ति 40,000 रुपए और बच्चों के लिए 38,430 रुपए है। इसमें थर्ड एसी कोच में सफर, डबल या ट्रिपल शेयरिंग पर एसी होटलों में रुकना, 'वॉश एंड चेंज' के लिए नॉन-एसी कमरे और घूमने के लिए नॉन-एसी लोकल ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था शामिल है। कम्फर्ट केटेगरी सेकंड एसी, इस प्रीमियम पैकेज की कीमत प्रति व्यक्ति 53,260 रुपए और बच्चों के लिए 51,370 रुपए है। इसमें सेकेंड एसी में सफर, एसी होटलों में रुकना, 'वॉश एंड चेंज' के लिए एसी कमरे और स्थानीय भ्रमण के लिए एसी ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिलती है।

हॉस्टल छात्रों का कुलपति को खत-हमें मिल रही धमकियां, सुरक्षा करें प्रदान

गृहमंत्री, कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक से भी लगाई गुहार

- छात्रावास के आस-पास असामाजिक तत्वों का जमावाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों ने कुलपति को खत लिखकर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। छात्रों ने कला भवन के सामने स्थित उद्यान, बाल उद्यान एवं ज्ञान सरोवर में बाहरी तत्वों द्वारा असमाजिक कृत्य किए जाने का आरोप लगाया है। कुलपति सहित गृहमंत्री और पुलिस अधीक्षक को भी छात्रों ने यह आवेदन प्रेषित किया है। इनमें उन्होंने कहा है कि कुछ दिनों से बाहरी लोगों के आगमन से तथा उनके द्वारा दी जाने वाली धमकियों से हम अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहें हैं जिसका प्रभाव हमारे अकादमिक क्रियाकलापों में भी पड़ रहा हैं। आज़ाद छात्रावास, गांधी छात्रावास, पावरग्रिड छात्रावास, विद्यार्थी छात्रावास सहित महिला छात्रावास के छात्र प्रतिनिधियों द्वारा यह शिकायत की गई है। विद्यार्थियों का कहना है कि उनके द्वारा पूरे मामले की शिकायत पूर्व में मौखिक एवं लिखित रूप में अनेक बार प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष की जा चुकी है।

यह है खत में

छात्रों ने लिखा है, हमारे विश्वविद्यालय परिसर में आए दिन बाहर से आने वाले लोगो की संख्या निरंतर बढ़ रही है। उनके द्वारा विश्वविद्यालय के संसाधनों का निरंतर उपयोग विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए नियमों के विरुद्ध किया जा रहा है। इससे हम सभी छात्र-छात्राओं में रोष है। प्रायः यह देखा गया है कि असमाजिक तत्वों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के संसाधनों का प्रयोग बिना किसी अनुमति से उपयोग किया जाता है। हम सभी अंतर्वासियों को परिसर के मैदान में खेलने से असमाजिक तत्वों द्वारा वंचित किया जाता है। साथ ही अभद्र व्यवहार किया जाता है। उनके द्वारा परिसर में धूम्रपान के अलावा पैसा लगाकर मैच खेला जाता है।

...तो लगाएंगे ताला

विद्यार्थियों ने मुख्य द्वार पर असमाजिक तत्वों को चिन्हांकित कर उनका प्रवेश को वर्जित करने की मांग की है। विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं तथा सुरक्षाकर्मियों से दुर्व्यवहार करने वालों के विरूद्ध विधिवत कार्यवाही, बाहरी व्यक्तियों द्वारा नियमविरूद्ध खेल मैदानों के उपयोग पर प्रतिबंध सहित विवि द्वारा बनाई गई पॉलिसी को लागू करने की मांग की है। विद्यार्थियों ने कहा कि यदि उनकी सुरक्षा की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो वे अनिश्चितकालीन धरना देने के साथ-साथ मुख्य द्वार में तालाबन्दी करेंगे।

शिखर कला मंच का नुक्कड़ नाटक

रायपुर। नगर निगम के तत्वावधान में श्याम नगर स्थित गुरुद्वारा गेट पर शिखर कला मंच द्वारा एक जागरूकता नुक्कड़ नाटक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा स्वच्छता के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना था।

शिखर कला मंच की संचालिका श्रीमती सुजाता शुक्ला ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एकल उपयोग प्लास्टिक पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक एवं अन्य अपशिष्ट के उपयोग के बारे में

आम सूचना

आवासीय संपत्ति जिसका खसरा क्र.-267/46, रकबा 0.014 हेक्टेयर अथवा 1500 वर्ग फुट है जो कि, ग्राम-मंदिर हसौद, प.ह.न.- 16/22, तहसील - आरंग (पुराना)/मंदिर हसौद (नया) व जिला - रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, के सम्बंध में आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित संपत्ति वर्तमान में मेरे पक्षकार अश्वनी कुमार केंवट पिता टेकराम केंवट निवासी म.न. बी 6, जिंदल कॉलोनी, मंदिर हसौद, रायपुर (छ.ग.) के स्वत्व व आधिपत्य की संपत्ति है, जिससे संबन्धित पूर्व का विक्रय विलेख जिसका निष्पादन कमला गुप्ता पति रवि भूषण गुप्ता (विक्रेता) द्वारा हर्ष कुमार अग्रवाल पिता शंकर लाल अग्रवाल (क्रेता) के पक्ष में किया गया था तथा जिसका पंजीयन दिनांक 10.07.2020 को पुस्तक क्र. - 1, में e-Panjeeyan ID-CG 630581007202014 देकर उप पंजीयक कार्यालय, आरंग, रायपुर में किया गया था, आज दिनांक को उनके रिकॉर्ड में अत्यधिक प्रयास के बाद भी नहीं मिल रही है एवं उसके गुम हो जाने की पूर्ण संभावना है और इसके संबंध में पुलिस थाना, मंदिर हसौद, रायपुर के समक्ष दिनांक 06.04.2026 को सूचना दी गई है।

अतः यदि उपरोक्त गुम मूल विक्रय विलेख के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई भी संव्यवहार अवैधानिक तरीके से कूट रचना कर अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि द्वारा किया जाता है, अथवा किया गया है तो वह आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आवेगा । यदि ऐसे किसी संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, व्यक्ति समूह, संस्था, समिति अथवा किसी संवैधानिक व्यक्ति इत्यादि को हानि पहुंची हो अथवा कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध तथा शुन्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी व वह जैसा चाहे उस रूप में अन्यथा अंतरण करने हेतु स्वतंत्र होवेगा।

सो सूचना जाने।

स्थान रायपुर
दिनांक - 19.04.2026

मनीष मल्होत्रा, अधिवक्ता
जी- 7, सेक्टर-1, अवन्ती विहार, रायपुर छ.ग.
मो. 9826628916

पेज 11 के शेष

निगम गार्डन की ....

गार्डन खस्ताहाल हो चुका है। यहां हरियाली का नामोनिशान नहीं, बल्कि धूल उड़ रही है। अनुबंध के नियम-शर्तों की धज्जियां उड़ रही हैं। नगर निगम के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष भोलाराम साहू ने जब विभागीय अधिकारियों से इस गार्डन की फाइल मांगी तो पता चला फाइल ही गायब है। अब इस मामले में हड़कंप मच गया है।
पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में पूर्व महापौर एजाज ढेबर की परिषद ने शहर के कुछ चिन्हांकित गार्डन के 5 फीसदी हिस्से को व्यावसायिक प्रयोजन के लिए निजी एजेंसियों को ठेके पर दिया था। इसी कड़ी में निगम मुख्यालय के सामने स्थित गार्डन को ऑनलाइन टेंडर कर 2023-24 में गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को ठेका दिया। अनुबंधित एजेंसी ने इस गार्डन के कुछ हिस्से को फूड पार्क के रूप में विकसित कर वहां खाने-पीने के स्टॉल किराए पर दिए।

जुलाई में पूरा होगा ...

दिन पूर्व विभाग जिम्मेदार अधिकारी से इसकी फाइल मांगी। तब उन्हें यह कहा गया कि फाइल नहीं मिल रही है। इसी फाइल में उद्यान के फूड हब में दुकानों की संख्या, संचालन और रखरखाव से जुड़े नियमों का जिक्र है, लेकिन अब दस्तावेज नहीं होने से कार्रवाई अटक गई है। विदित हो कि निगम गार्डन की चौपाटी में नियम के उल्लंघन और सफाई व गार्डन की देखरेख में अनियमितता की शिकायतें पहले से मिल रही हैं।

सुरक्षित नहीं रहे ....

आसपास 400 से 800 वर्गफीट नीचे भूजल जा पहुंचा है। संबंधित तालाबों में जलविद पत्थर अच्छी क्वालिटी का नहीं होने से बहुत कम पानी पत्थरों के बीच पहुंच पा रहा है।

800 से 1200 फीट : ....

राजेंद्र नगर, प्रियदर्शिनी नगर, लभांडी, फुंडहर, डूंडा, चंदनीडीह, अटारी। इसी तरह मुजगहन, खिलोरा, कोलर में ट्यूबवेल ज्यादा होने से भूजल स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि यहां 400 से 600 वर्गफीट गहराई तक भूजल स्तर पहुंच चुका है।

शहर के सात ....

गणेश मंदिर तिराहा, बूढ़ापारा बिजली ऑफिस चौक, महिला थाना चौक होकर नेताजी सुभाष स्टेडियम तक रैली निकाली जाएगी। रैली के स्टेडियम पहुंचने के बाद वहां आमसभा का आयोजन किया जाएगा। रैली में राज्य के अलग-अलग जिलों से 20 हजार से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना है।

अमित जोगी को ....

खिलाफ उन्होंने राहत की मांग की है। हाईकोर्ट ने 2007 में बरी करने के फैसले को पलटते हुए अमित जोगी को उम्रकैद की सजा सुनाई। उनका तर्क है कि उन्हें अपना पक्ष रखने का पर्याप्त समय नहीं मिला और हजारों पन्नों की चार्जशीट को 24 घंटे में पढ़ना असंभव था। अमित जोगी ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ स्पेशल लीव पिटीशन दायर की है, जिस पर सुनवाई होगी, इस पर लोगों की नजर है।

सुनवाई का कोई ....

पारित उपरोक्त दोनों निर्णयों में प्राकृतिक न्याय के मौलिक सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया है और सर्वोच्च न्यायालय के 6 नवंबर 2025 के स्पष्ट आदेश का उल्लंघन करते हुए अमित जोगी को बिना सुनवाई का कोई अवसर दिए दोनों निर्णय पारित किए गए। सर्वोच्च न्यायालय ने अमित जोगी को अंतिम निर्णय के विरुद्ध अपील 20 अप्रैल से पहले दायर करने के निर्देश दिए, ताकि सभी मामलों की उसी दिन संयुक्त रूप से अंतिम सुनवाई की जा सके।

'परीक्षा संगम' पोर्टल ....

के लिए जरूरी प्रक्रिया यानी एलओसी-लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स जमा करने का काम शुरू कर दिया है। परिणाम जारी होने के पश्चात ही दूसरी परीक्षा के लिए आवेदन विंडो एक्टिव कर दी गई है। यह परीक्षा उन स्टूडेंट्स के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, जो एक या दो विषयों में पिछड़ गए हैं या जो अपने रिजल्ट में सुधार चाहते हैं। सीबीएसई से संबद्ध स्कूल उन स्टूडेंट्स की लिस्ट तैयार कर रहे हैं जो इस परीक्षा में बैठना चाहते हैं। यदि छात्र अपना स्कोर कार्ड बेहतर बनाना चाहते हैं तो उनके लिए यह अंतिम अवसर है। सीबीएसई बोर्ड ने फॉर्म भरने और फीस जमा करने के लिए तीन चरण तय किए हैं। पहला और दूसरा चरण 16 अप्रैल से 20 अप्रैल तक विलंब शुल्क के बगैर है। तीसरा चरण के लिए विलंब शुल्क के साथ 21 और 22 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई है।

सिलेबस में बदलाव ....

वाले अंकों को ही अंतिम माना जाएगा। सीबीएसई के रेगुलर स्टूडेंट्स के लिए यह प्रक्रिया उनके स्कूल के माध्यम से पूरी की जाएगी। स्कूलों को 'परीक्षा संगम' पोर्टल पर डेटा अपलोड करना होगा। वहीं, प्राइवेट उम्मीदवारों को सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर खुद ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा।

इधर, शिकायतें ....

अवकाश की फीस भी ले रहे हैं। कई विद्यालयों में अधिक विषयों के लिए परीक्षा शुल्क लेकर केवल एक विषय के ही फॉर्म भरने की की शिकायत भी मिली है। सीबीएसई ने इस संदर्भ में अधिसूचना जारी करते हुए निजी स्कूलों को चेतावनी भी जारी की है।

सोशल मीडिया पर ....

बाबू खेमानी ने सोशल मीडिया पर एक रील बनाई है, जिसमें वह कहते दिख रहा है कि तीन चीजों से खिलवाड़ मत करना, आग-पानी तथा बाबू खेमानी। पुलिस ने उस रील का मीम बनाते हुए सट्टा संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार करने के समय का वीडियो डालकर अपने रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ग्रुप के फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। लोग उस रील को लेकर रोचक कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही पुलिस कार्रवाई की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।
अपने फरार भाई और कर्मी के ऊपर थोप रहा आरोपः बाबू द्वारा पुलिस पूछताछ में सहयोग नहीं करने की बात सामने आई है। इसके चलते पुलिस ने उसका पूछताछ करने एक दिन के लिए पुलिस रिमांड हासिल की है। पूछताछ में बाबू अपने सारे म्यूल अकाउंट से लेकर अन्य लेन-देन की जानकारी अपने छोटे भाई राज खेमानी तथा अपने एक कर्मचारी के ऊपर थोप रहा है।

संपर्क में थे 30 से ....

अकाउंट से 30-35 लाख रुपए ट्रांजेक्शन होने की बात सामने आई है।

80 से ज्यादा ....

मिली है। बताया जा रहा है कि बाबू खेमानी ने दुबई में मनोज के साथ मिलकर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के साम्राज्य को और बड़ा करने के गुर सीखे।

दिल्ली में मोमोज खाने से 10 साल की बच्ची का लिवर फेल, छग में बिना जांच के खुलेआम बिक रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आए दिन मोमोज खाने वाली 10 साल की बच्ची का लिवर फेल हो गया...। दिल्ली में हुई इस घटना के बाद एक बार मोमोज की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। राजधानी समेत छत्तीसगढ़ के रेस्टोरेंट से लेकर गली-मोहल्ले में सजने वाले मोमोज स्टॉल के जरिए इसका लाखों का कारोबार हो रहा है। भारी डिमांड वाले मोमोज को खाद्य एवं औषधि प्रशासन जांच दायरे में लाएगा। अभियान चलाकर इसके सैंपल लेकर जांच की जाएगी।

मैदे और पत्तागोभी से निर्मित मोमोज चाइनीज फूड है और पिछले कुछ सालों से इसका डिमांड काफी बढ़ी है। विभिन्न रेस्टोरेंट से लेकर राजधानी समेत प्रदेशभर में हर गली-मोहल्ले में इसके स्टॉल सजते हैं, जहां चाव से लोग मोमोज खाते हैं। हाल ही में दिल्ली के बुराड़ी इलाके में 10 साल की बच्ची तान्या के मोमोज के अत्याधिक सेवन करने की वजह से लिवर फेलियर की घटना सामने आई है। लिवर के अलावा उसके दिमाग में सूजन और याददाश्त कमजोर होने की बात भी सामने आई है। तान्या नामक इस बच्ची की जान तो बचा ली गई, मगर घटना ने बिना जांच के बिकने वाले मोमोज पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के तमाम फूड जोन के साथ चौक-चौराहों, गली-मोहल्ले में मोमोज के स्टॉल और उसके सामने लोगों की भीड़ हर दिन नजर आती है।

दिलचस्प बात ये है कि लाखों का कारोबार करने वाले इस मोमोज पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा गंभीरता नहीं दिखाई गई है। पूर्व में कुछ जिलों में सैंपल लेकर जांच हुई थी। स्वास्थ्य पर होने वाले विपरीत असर की शिकायतों के बाद गुणवत्ता परखने के लिए वृहद स्तर पर जांच के लिए अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है।

- बड़े रेस्टोरेंट से लेकर हर गली-मोहल्ले में मोमोज की दुकान, लाखों का कारोबार
- मोमोज की गुणवत्ता परखने सक्रिय होगा एफडीए, चलाया जाएगा जांच अभियान

पेट के लिए नुकसानदायक

आंबेडकर अस्पताल के सीएमओ डॉ. विनय वर्मा के मुताबिक, मोमोज की ऊपरी परत मैदे से बनाई जाती है जो पचने में समय लेती है और यह आंतों को चिपचिपा बना देती है, जिससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और भारीपन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। रोजाना इसका सेवन बढ़ते वजन का कारण बन सकता है और मोटापा शरीर में कई गंभीर बीमारियों का घर बन सकता है। मोमोज बनाने में उपयोग किए जाने वाले तेल और साफ-सफाई का अभाव संक्रमण का खतरा बढ़ा सकता है।

जांच कराई जाएगी

लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री मिले, इसके लिए समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। मोमोज के कुछ जिलों में पहले भी सैंपल लिए गए हैं और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की गई है। आने वाले दिनों में इसे लेकर विस्तृत जांच की जाएगी।

- दीपक अग्रवाल, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

शहर में अपराध रोकने थाना स्तर पर बीट, एसआई से हवलदार तक बनाए गए प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद लोगों के मन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने तथा बदमाशों को पुलिस की मजबूती से उपस्थिति का मैसेज देने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने पूर्व की बीट व्यवस्था को अप्रभावी मानते हुए नए सिरे से बीट व्यवस्था लागू करने निर्देश जारी किए हैं। साथ ही बीट प्रभारियों के लिए 12 बिंदुओं पर जिम्मेदारी तय की गई है।

खास खबर

इसके अलावा एसीपी, एडीसीपी स्तर के अफसर अपने क्षेत्र के थानों का भ्रमण कर त्रैमासिक रिपोर्ट कार्ड तैयार कर पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट करेंगे। राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद लोगों को अपराध नियंत्रण पर लगाम लगने की उम्मीद थी। राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू हुए तीन माह से ज्यादा समय हो गया है। इन तीन महीनों में पुलिस ने बदमाशों पर अंकुश जरूर लगाया है, इससे अपराध का ग्रॉफ पूर्व से थोड़ा कम जरूर हुआ है, लेकिन उम्मीद के अनुसार अपराध पर नियंत्रण नहीं लग पाया है। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर ने नई बीट प्रणाली लागू करने निर्देश दिए हैं। नई बीट प्रणाली 30 अप्रैल से लागू होगी।

नई बीट प्रणाली के उद्देश्य निर्धारित

- क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित करना।
- अपराध एवं कानून व्यवस्था से संबंधित रियल टाइम में आसूचना संकलित करना।
- आपराधिक एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करना।
- आम जनता के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित करना।
- संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों एवं मुसाफिरों की जानकारी रखना।

थाना स्तर पर संधारित अभिलेख

थाना प्रभारी थाने में बीट रजिस्टर का संधारण करेंगे, जिसमें प्रत्येक बीट क्षेत्र के प्रभारी एवं सहायक बीट प्रभारी के नाम एवं गोबाइल नंबर तथा उक्त बीट अधिकारियों की आसूचना पर की गई कार्रवाई का उल्लेख करेंगे। उक्त रजिस्टर को बीट की संख्या के अनुरूप समान भाग में विभाजित किया जाएगा।

ऐसी होगी नई बीट प्रणाली

0 प्रत्येक थाना प्रभारी थाना क्षेत्र के भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या का घनत्व, आपराधिक आंकड़े एवं कानून-व्यवस्था की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए थाना क्षेत्र को बीट में विभाजित करेंगे। बीट का भौगोलिक आकार ऐसा हो, जिस पर बीट अधिकारी का प्रभावी नियंत्रण रहे।

0 प्रत्येक बीट में प्रधान आरक्षक से उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को बीट की संवेदनशीलता के अनुरूप बीट प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। बीट प्रभारी अधिकारी के साथ सहायक बीट अधिकारी के रूप में आरक्षकों को बीट की आवश्यकता के अनुरूप नियुक्त किया जायेगा।

0 प्रत्येक बीट प्रभारी एवं सहायक अधिकारी अपने पास एक छोटी डायरी रखेंगे, जिसके 2 भाग होंगे, भाग एक में बीट के क्षेत्र, बीट में रहने वाले वाले प्रमुख व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों के नाम, बीट की आपराधिक स्थिति, बीट के गुण्डा-बदमाश आदि की जानकारी दर्ज की जाएगी। भाग दो में भ्रमण के दौरान उन बीट अधिकारियों को बीट क्षेत्र की आपराधिक गतिविधियों, कानून-व्यवस्था एवं अन्य महत्वपूर्ण जो सूचनाएं मिलती है. उनके द्वारा दर्ज किया जाएगा।

0 थाना प्रभारी सप्ताह में एक बार बीट अधिकारियों की नोटबुक का अवलोकन कर उस पर हस्ताक्षर करेंगे तथा कार्रवाई योग्य सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

0 प्रत्येक बीट के ऐसे शासकीय भवन या स्थान, जो सामान्य रूप से दृष्टिगोचर हों, वहां दीवार पर व्यवस्थित रूप से बीट के प्रभारी अधिकारी एवं सहायक बीट अधिकारियों के नाम एवं उनके मोबाइल नंबर लिखने निर्देश दिए गए हैं।

बीट की इन 12 बिंदुओं पर जिम्मेदारी तय

0 बीट क्षेत्र के शहर, मोहल्ले, पारा की गलियों व सड़क पर और प्रमुख चौक-चौराहों की नियमित रूप से गाड़ी के साथ पैदल गश्त एवं किसी स्थान पर उपस्थिति दर्ज कराना।
0 बीट क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों, बाजारों, विद्यालयों, धार्मिक स्थली एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी एवं सभी तरह की गतिविधियों के लिए सूचना एकत्र करेंगे।
0 बीट अधिकारी स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, दुकानदारों चौकीदारों, सुरक्षा कर्मियों से नियमित संपर्क स्थापित करेंगे
0 किरायेदार, घरेलू सहायक व दुकान के काम करने वालों का सत्यापन।
0 अपराधी तत्वों, हिस्ट्रीशीटरों, संदिग्ध व्यक्तियों तथा बाहरी आगंतुकों की जानकारी रखना।
0 बीट क्षेत्र में प्राप्त शिकायतों, सूचनाओं एवं घटनाओं की जानकारी तत्काल थाना प्रभारी को दी जाएगी।
0 चेन स्नेचिंग, छेड़छाड़, नशा, चोरी, नकबजनी, अड्डेबाजी व गुण्डागर्दी पर नकेल कसना।
0 नशे के विरुद्ध, जुआ, सट्टा को समूल नष्ट करने प्रभावी कार्रवाई।
0 फेरी एवं लोगों से संपर्क कर सभी तरह की ठगी करने वालों पर नजर रखना
0 सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत अपराधों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम।
0 डेली रजिस्टर मेंटेन करना ।
0 बीट का आपराधिक मानचित्र रखना एवं घटित अपराधों पर नियंत्रण करना।

खबर संक्षेप

अटल घोषणा पत्र के क्रियान्वयन की समीक्षा भी करें मंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव द्वारा नगर निगमों की समीक्षा किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि मंत्रीजी को सबसे पहले नगर निगम के लिए भाजपा द्वारा जारी अटल घोषणा पत्र के क्रियान्वयन की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में वादा किया गया था, महिलाओं को संपत्ति कर में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी, पुराना बकाया एक साथ भुगतान करने पर संपूर्ण ब्याज माफ किया जाएगा, लेकिन इस दिशा में आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सभी जोन में नक्शा पास करने को लेकर बेहद लूट मची हुई है। आम आदमी नक्शा पास करने के लिए बड़ा चढ़ावा चढ़ाने के लिए मजबूर हो रहा है, अन्यथा महीनों तक नक्शा पास करने के लिए लोगों को घुमाया जा रहा है। गर्मी प्रारंभ होते ही पेयजल की विकट समस्या प्रारंभ हो चुकी है, जल जीवन मिशन के काम अधूरे होने के कारण लोग पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं।

मां मातंगी प्राकट्य दिवस आज

रायपुर। पुरानी बस्ती शीतला माता मंदिर चौक स्थित मां धूमावती सिद्धपीठ, दस महाविद्यापीठ में 20 अप्रैल को मां मातंगी प्राकट्य दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर शाम 7 बजे हवन, पूजन, अनुष्ठान, महायज्ञ किया जाएगा। यह महायज्ञ आत्मकल्याण निमित्त पीठाधीश्वर महाराज नीरज सैनी पुजारी द्वारा किया जाएगा। साथ ही मां मातंगी मंत्र दीक्षा भी दी जाएगी। प्राकट्य दिवस के अवसर पर मां मातंगी को अष्टगंध, लाल व पीले पुष्प, धूप, दीप नैवेद्य (मिठाई) लाल-हरे-पीले वस्त्र अर्पित कर कपूर से आरती कर मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करें।

तालाब के चारों ओर की लाइटें अरसे से बंद, ठेका एजेंसी और निगम की मनमानी से बढ़ रहा आक्रोश

अंधेरा ले डूबा बघवा का सौंदर्य, आधी रोशनी, आधा काम, देखभाल भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम जोन-8 के संत रविदास वार्ड में शामिल रहवासी इलाका

रायपुरा के विप्रनगर क्षेत्र में स्थित बघवा तालाब के सौंदर्यीकरण पर करोड़ों खर्च हुए। तालाब की दशा सुधरी, पर अंधेरे ने उसका सौंदर्य छीन लिया। तालाब के एक हिस्से में ही स्ट्रीट लाइट जल रही है, दूसरा बड़ा हिस्सा आज तक रोशन नहीं हो सका। इसी कारण तालाब के अंधेरे में असामाजिक तत्वों की शराबखोरी भी चल रही है। पुलिस का फेरा भी यहां नहीं लग रहा है, इस वजह से उनके हौसले बुलंद हैं।

हरिभूमि सरोकार

तालाब के आसपास शराब की खाली बोतलें, पानी पाउच, डिस्पोजल गिलास के अलावा गुटका पाउच और नशे की सामग्री यहां-वहां बिखरी पड़ी रहती है। इसके चलते अग्रोहा कालोनी, विप्रनगर और रायपुरा के रहवासी परेशान हैं। आसपास सुरक्षा के इंतजाम नहीं होने और स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ गए हैं। प्रभावित इलाके के रहवासियों ने बंद पड़ी लाइटों को सुधारने, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने और तालाब के आसपास की सफाई व्यवस्था सुधारने वार्ड पार्षद, जोन 8 कमिश्नर और महापौर मीनल चौबे से की है। इसके बाद भी लोगों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही।

तालाब गहरीकरण में खप गए 2.50 करोड़

रायपुरा के बघवा तालाब की सफाई, गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के काम में 2.50 करोड़ रुपए खर्च करने के बाद भी काम आधा-अधूरा हो पाया। तालाब के पास पाथवे बनाने और सुंदर बगीचा विकसित करने की योजना पर पहले फेज में काम नहीं हो पाया। नगर निगम के अधिकारियों ने अधूरे काम को पूरा करने 1.50 करोड़ का नया प्रस्ताव बनाकर शासन को मंजूरी के लिए भेजा। इसमें लैंड स्केपिंग, प्लांटेशन सहित अन्य कार्य को दोबारा शामिल करना पड़ा, यानी कुल मिलाकर तालाब की सफाई और गहरीकरण में 2.50 करोड़ खर्च हो गए।

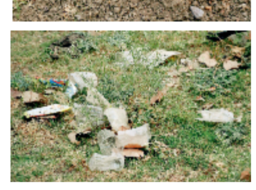

तालाब किनारे डिस्पोजल के ढेर

नगर निगम प्रशासन ने सरोवर धरोहर को सहेजने 4 करोड़ बघवा तालाब के सौंदर्यीकरण में लगा दिए, पर इसकी सुरक्षा और लगाए गए पौधों की देखरेख का प्रबंध नहीं करने से तालाब किनारे शराब की खाली बोतलें, पानी पाउच, नशेड़यों द्वारा प्रयुक्त डिस्पोजल गिलास इधर-उधर फेंक दिए जाते हैं। गांजा, शराब के साथ ही सिगरेट के खाली पैकेट्स, पान मसाले के खाली पाउच का तालाब के आसपास ढेर लगता जा रहा है। इससे तालाब की सुंदरता प्रभावित हो रही है

बगीचे की देखरेख नहीं, हरियाली नदारद : बघवा तालाब के पास नगर निगम ने एक सुंदर व छोटा-सा बगीचा विकसित कर लोगों के मन में उम्मीद जगाई कि सुबह-शाम वे इत्मीनान से ताजी हवा लेने टहल सकते हैं, पर बगीचे की देखरेख पर न तो अनुबंधित एजेंसी ध्यान दे रही है, न ही जोन स्तर पर इसकी व्यवस्था की गई। लगाए गए पौधे तेज गर्मी और पानी के अभाव में सूख गए। यहां हरियाली की जगह पेड़-पौधों के सूखे ठूंठ नजर आ रहे हैं।

शिकायतें मिली हैं, जोन को देंगे निर्देश

रायपुरा के बघवा तालाब की स्ट्रीट लाइटें बंद रहने और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होने की शिकायतें मिली हैं। इसे संज्ञान में लेकर संबंधित जोन को प्रभावित इलाके की स्ट्रीट लाइटें सुधारने और सुरक्षा के सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव बनाकर भिजवाने निर्देशित करेंगे। - **मीनल चौबे,** महापौर

दूसरे फेज में 2 करोड़ 3 लाख का कार्य

नगर निगम ने रायपुरा के बघवा तालाब में दूसरे फेज में 2 करोड़ 3 लाख खर्च कर तालाब सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्य कराने आर्यन बिल्डर को ठेका दिया, जिसमें गंदे पानी की सफाई, तलछटी तक गाद निकालकर तालाब का नए सिरे से गहरीकरण कराया गया। लोगों की सुविधा के लिए तालाब में पचरीकरण, आने-जाने के लिए तालाब के चारों ओर पाथवे का निर्माण, तालाब को सुरक्षित रखने आउटर व इनर एरिया में रिटेनिंग वॉल बनवाई गई। तालाब की सुंदरता बढ़ाने पौधारोपण और लैंड स्केपिंग सहित सौंदर्यीकरण के अन्य काम इसमें शामिल हैं। तालाब के चारों ओर नए स्ट्रीट पोल लगाकर प्रकाश की व्यवस्था की गई, पर निर्माण कार्य के कुछ समय बाद बघवा तालाब के चारों ओर लगाए गए अधिकांश स्ट्रीट पोल की लाइटें बंद पड़ी हैं। नगर निगम में इसकी शिकायत के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई गई।

35 एकड़ में फैला तालाब, दर्जनों स्ट्रीट पोल शो पीस बने

रायपुरा की आधी बस्ती सहित यादवपारा के लोग एक अरसे से तालाब का उपयोग निस्तारी के लिए करते आ रहे हैं। 35 एकड़ में फैले इस तालाब की नगर निगम ने ढाई दशक बाद सुध ली। तालाब के पास सुंदर बगीचा विकसित करने के साथ ही उसमें फूलदार, छायादार पौधे लगाए गए, पर देखरेख के अभाव में बगीचे में लगाए गए अधिकांश पौधे सूख गए हैं। इधर, तालाब के चारों ओर प्रकाश की व्यवस्था करने लगाए गए दर्जनों नए स्ट्रीट पोल की लाइटें बंद होने से ये पोल महज शोपीस बनकर रह गए।

एयरपोर्ट पर विमानों के पार्किंग शुल्क में कटौती

एयर टिकट के दामों में अनावश्यक बढ़ोतरी से मिलेगी राहत

- रायपुर में प्रतिदिन औसतन 30 फ्लाइट के अलावा छोटे एयरक्रॉफ्ट, हेलीकाप्टर की लैंडिंग भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- पहले देना पड़ता था 60 हजार लैंडिंग शुल्क, अगले तीन माह 40 हजार तय हुआ किराया

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट समेत देशभर के विमानतलों पर आवाजाही करने वाले विमानों के पार्किंग शुल्क में कटौती की गई है। अगले तीन माह तक की गई इस कटौती से एयर टिकट में होने वाली अनावश्यक बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जा सकेगा, जिससे यात्रियों को राहत मिलेगी। रायपुर एयरपोर्ट पर पहले लैंडिंग के लिए नियमित फ्लाइट को 60 से 65 हजार रुपए देने पड़ते थे, जिसे घटाकर 40 हजार किया गया है।

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर रोजाना नियमित रूप से 30 फ्लाइट लैंड और टेकऑफ होती हैं। विमानों को अपनी आवाजाही के दौरान एयरपोर्ट प्रबंधन को प्रति उड़ान पार्किंग शुल्क देना पड़ता है। छोटी और बड़ी फ्लाइट के हिसाब से इसका शुल्क निर्धारित है। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव की वजह से ईंधन के दामों होने वाली बढ़ोतरी के भार से यात्रियों को अलग रखने के लिए विमानन कंपनियों को राहत देने यह फैसला लिया है। इसका फायदा रायपुर एयरपोर्ट में आने वाली फ्लाइट (विमानन कंपनियों) को भी मिलेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, जून महीने तक यह छूट दी गई है, जिसका लाभ नियमित फ्लाइट के अलावा आने वाले हेलीकाप्टरों तथा अन्य छोटे एयरक्रॉफ्ट को भी मिलेगा। वर्तमान में रायपुर एयरपोर्ट पर सर्वाधिक आवाजाही डोमेस्टिक फ्लाइट का संचालन करने वाली इंडिगो एयरलाइंस कंपनी की होगी। इंडिगो के अलावा यहां से एयर इंडिया और अलायंस एयर की फ्लाइट भी आवाजाही करती हैं।

पार्किंग शुल्क के हो चुके लगभग सात करोड़

विमानतल पर पार्किंग के लिए विमानन कंपनियों को शुल्क देना होता है। यह उन एयरक्रॉफ्ट पर भी लागू होता है, जो डायवर्ट होकर अथवा आपात लैंडिंग कर किसी एयरपोर्ट पर उतरते हैं। ऐसे ही इमरजेंसी लैंडिंग करने वाली बांग्लादेशी फ्लाइट के खड़े-खड़े दस साल से ज्यादा वक्त हो गया है। इसकी वजह से फ्लाइट का पार्किंग शुल्क भी बढ़कर 7 करोड़ से ज्यादा हो चुका है। इस विमान का मामला अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है, जिसका हल केंद्रीय स्तर किया जाना है।

डीके हास्पिटल में एमसीएच हॉस्टल निर्माण शुरू खुलेंगे नए विषय में सुपर स्पेशलिटी कोर्स के रास्ते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीके सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के एमसीएच डॉक्टरों के लिए हॉस्टल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। अगले दो साल में तैयार होने वाली इस बिल्डिंग के बाद संस्थान में नए विषयों के सुपर स्पेशलिटी कोर्स के रास्ते खुलेंगे। वर्तमान में यहां के एमसीएच डॉक्टर हास्पिटल के प्रायवेट वार्ड में रहते हैं, जिसके लिए उन्हें ढाई हजार रुपए शुल्क भी देना पड़ता है। बनाए जा रहे जी प्लस-8 भवन में चिकित्सा शिक्षकों के साथ अन्य स्टाफ को भी जगह दी जाएगी। डीके हास्पिटल में एमसीएच हॉस्टल बनाने की योजना काफी समय पहले स्वीकृत हो चुकी थी, इसके लिए बजट भी पास किया गया था। निर्माण की जिम्मेदारी सीजीएमएससी के पास थी, जो फाइलों में अटकी थी। पिछले दिनों डीके अस्पताल के निरीक्षण पर आए कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन रितेश अग्रवाल ने योजना के बारे में जानने के बाद काम शुरू करने के निर्देश दिए थे। रितेश अग्रवाल सीएमई के साथ एमडी सीजीएमएससी भी हैं, इसलिए उनके निर्देश पर तत्काल अमल हुआ और हॉस्टल निर्माण शुरू हुआ। प्रस्तावित स्थल पर पेड़ों की कटाई होने के बाद प्लिंथ का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। अनुमान है कि हॉस्टल का निर्माण अगले दो वर्षों में पूरा हो जाएगा। इससे एमसीएच के दो दर्जन डॉक्टरों के छात्रों, संस्थान के चिकित्सा शिक्षकों सहित अन्य स्टाफ को आवास सुविधा मिल पाएगी। अस्पताल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इससे हास्पिटल में संचालित अन्य विषयों में भी एमसीएच, डीएम कोर्स की अनुमति के रास्ते खुलेंगे।

अभी एमसीएच की आठ सीटें

डीके हास्पिटल में वर्तमान में संचालित न्यूरो सर्जरी विभाग में 2, पीडियाट्रिक सर्जरी और बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी में 3-3 सीटें हैं। संस्थान में संचालित कुछ अन्य विषयों पर भी आने वाले दिनों में एमसीएच कोर्स प्रारंभ किए जाने की संभावना है। डीके अस्पताल के साथ आंबेडकर अस्पताल में भी कुछ सीटों पर एमसीएच और डीएम की पढ़ाई होती है।

17 करोड़ की लागत से निर्माण

इस भवन के निर्माण की लागत 17 करोड़ रुपए तय की गई है। हॉस्टल के लिए पहले पुराने डीएमई कार्यालय वाले भवन को प्रस्तावित किया गया था। बाद में इसे उपयुक्त नहीं माना गया। वर्तमान में इस भवन में अस्थायी रूप से तहसील कार्यालय का संचालन किया जा रहा है। नर्सिंग हॉस्टल के लिए बनाई गई यह बिल्डिंग डीके अस्पताल की जमीन पर मौजूद है।

उत्पादन 40 फीसदी कम, इसलिए अंडों के दाम ज्यादा, थोक में 5.50 और चिल्हर में 6.50 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी के कारण प्रदेश में अंडों का उत्पादन करीब 40 फीसदी कम हो गया है। उत्पादन कम होने का यह असर हुआ है कि इसके दाम बढ़ गए हैं। थोक में इसके दाम जहां 5.50 रुपए हो गए हैं, वहीं चिल्हर में कीमत 6.50 रुपए हो गई है। कुछ समय पहले इसके दाम बहुत कम हो गए थे। देश से जो रोज एक करोड़ अंडे कुवैत जाते हैं, उनका जाना बंद है। ऐसे में दाम कम हो गए थे, लेकिन अब उत्पादन प्रभावित होने के कारण दाम बढ़ गए हैं। बीते साल भी गर्मी में इसके दाम 7 रुपए तक पहुंचे थे।

छत्तीसगढ़ देश के बड़े अंडों के उत्पादक राज्यों में गिना जाता है। अपने प्रदेश में रोज 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है। इसमें से 70 फीसदी की खपत अपने राज्य में हो जाती है, बाकी का तीस फीसदी दूसरे राज्यों में जाता है। ऐसे में जितना उत्पादन होता है, उतनी खपत हो जाती है, लेकिन कई बार उत्पादन ज्यादा और खपत कम हो जाती है। कुछ समय पहले जब देश से अंडों का कुवैत जाना बंद हो गया था तो अपने प्रदेश में ज्यादा उत्पादन होने के कारण रोज 20 से 25 लाख अंडे बच रहे थे। ये अंडे इसलिए बच रहे थे, क्योंकि दूसरे राज्यों में इनका जाना बहुत कम हो गया था। ऐसे में इनको कोल्ड स्टोरेज में रखना पड़ रहा था।

गर्मी में उत्पादन प्रभावित

पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक हमेशा ही गर्मी में 20 फीसदी तक अंडों का उत्पादन प्रभावित हो जाता है। इस बार भी ऐसा हो रहा है, लेकिन इसी के साथ बर्ड फ्लू के खतरे को देखते हुए कारोबारियों ने मुर्गियों का स्टाक भी मंगाना कम कर दिया है तो ऐसे में उत्पादन अब 40 फीसदी तक प्रभावित हो गया है। सामान्य समय में रोज 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है, लेकिन इस समय 50 लाख के आस-पास अंडों का उत्पादन हो रहा है। इसमें से 30 से 35 लाख अंडों की खपत अपने राज्य में हो रही है बाकी 10 से 15 लाख अंडे दूसरे राज्यों में जा रहे हैं।

स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को दिए 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कॉर्ट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महिला सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास की आधारशिला बताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार, समाज और पूरा राज्य मजबूत होता है। उन्होंने अपने निवास नया रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कॉर्ट' वितरण कार्यक्रम में कहा, राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने विभिन्न स्वसहायता समूहों की महिलाओं को 'लक्ष्मी सखी मिलेट्स कार्ट' वितरित किए। इस अवसर पर शैलेंद्र कुर्रे, डिगेश्वरी निषाद, अनिता ताण्डी, सुमन वर्मा, दीपाली राजपूत, दीपा सोनी, कामिनी बोथरा, सुभद्रा निर्मलकर, गीता साहू एवं प्रीति साहू सहित कई हितग्राही उपस्थित रहीं। मंत्री ने बताया कि 'मिलेट्स कॉर्ट' अभियान महिलाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। कांकेर जिला के नरहरपुर ग्राम की लोकेश्वरी रसिया और अन्य महिलाएं प्रतिदिन 2 से 3 हजार रुपए तक तथा प्रतिमाह 25 से 30 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं।

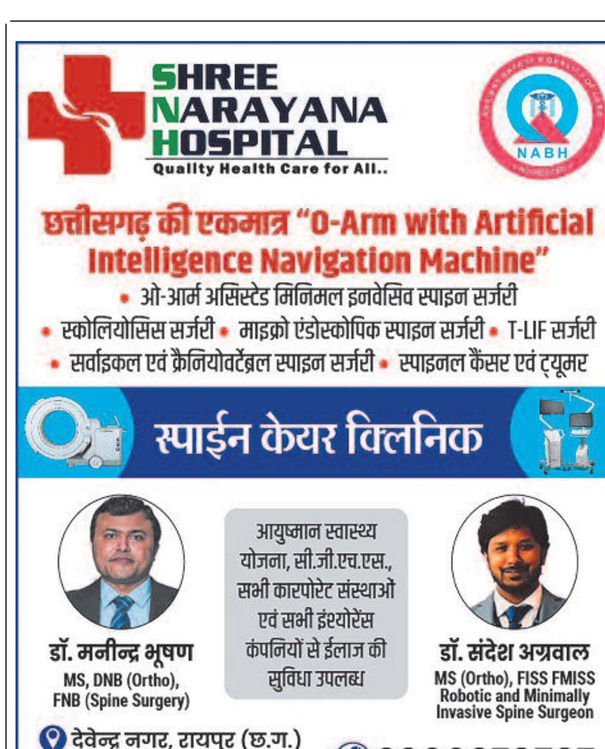

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

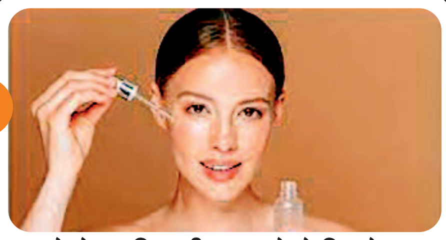

चेहरे पर ग्लिसरीन लगाने से मिलते...

सिटी इवेंट

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में जूनियर इंजीनियर के पदों पर रजिस्ट्रेशन शुरू

रायपुर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में जूनियर इंजीनियर के पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया गया है। आरबीआई में जूनियर इंजीनियर के पदों पर आवेदन 16 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। जो उम्मीदवार जूनियर इंजीनियर के पदों पर नौकरी करना चाहते हैं, उनके लिए यह एक सुनहरा मौका है। इन पदों पर आवेदन करने की अंतिम तिथि 06 मई निर्धारित की गई है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 अप्रैल, 2026 के आधार पर की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की आयु 20 से 30 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी। ओबीसी उम्मीदवारों को 3 वर्ष की छूट, एससी एवं एसटी उम्मीदवारों को 5 वर्ष की छूट और दिव्यांग उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट दी जाएगी। जूनियर इंजीनियर के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास सिविल इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में तीन वर्ष का डिप्लोमा होना चाहिए। इसके अलावा, उम्मीदवारों के पास अन्य निर्धारित पात्रताएं होनी चाहिए।

300 अंकों के 180 सवाल पूछे जाएंगे

परीक्षा का आयोजन 06 जून को किया जाएगा। परीक्षा में उम्मीदवारों से अंग्रेजी भाषा, इंजीनियरिंग विषय और रीजनिंग विषय से 300 अंकों के 180 सवाल पूछे जाएंगे। यह परीक्षा 150 मिनट के लिए आयोजित कराई जाएगी। उम्मीदवार यहां बताए गए निम्नलिखित स्टेप्स की मदद से अपना फॉर्म भर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन करने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट **www.rbi.org.in** पर जाकर विजिट करें। अब वेबसाइट के होमपेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद मांगी गई सभी जानकारी को ध्यान से दर्ज कर लें। अब आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन कॉपी को अपलोड करें। अंत में इसका एक प्रिंट आउट भी निकाल लें।

सिटी इवेंट

प्रदर्शनी में सजी सोमनाथ मंदिर की विरासत की झलक, संरक्षण पर विशेषज्ञों ने किया मंथन

रायपुर। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार प्रो. रमेंद्रनाथ मिश्र, अतिथि वक्ता डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा पवन जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्वानों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सहभागिता रही।संचालनालय द्वारा प्रतिवर्ष विश्व धरोहर दिवस पर ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों एवं परंपराओं के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में इस वर्ष भी प्रदर्शनी और व्याख्यान के माध्यम से विरासत संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अटूट आस्था के 1000 वर्ष का अनुसरण करते हुए कला वीथिका में विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के 19वीं, 20वीं और 21वीं सदी के चित्रों के माध्यम से उसके ऐतिहासिक विकास, स्थापत्य परिवर्तन और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिव मंदिरों की स्थापत्य कला को प्रदर्शित करते चित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे। स्थानीय धरोहरों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ने का यह प्रयास दर्शकों के लिए विशेष रूप से ज्ञानवर्धक रहा।

स्थानीय समुदायों की भागीदारी आवश्यक

इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस 2026 की थीम इमरजेंसी रिस्पॉन्स फॉर लिविंग हेरिटेज इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ कॉनफ्लिक्ट एंड डिजास्टर्स" पर आधारित व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार, आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के डिप्टी कमांडेंट पवन जोशी ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों ने मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों पर मंडराते खतरों, उनके प्रकार, संरक्षण की चुनौतियों तथा आपदा प्रबंधन के प्रभावी उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि धरोहर संरक्षण में शासन के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रदेश के प्रमुख मंदिरों दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा, महामाया मंदिर रतनपुर, राजीवलोचन मंदिर राजिम, सहसपुर स्थित शिव एवं बजरंग बली मंदिर तथा लक्ष्मणेश्वर मंदिर खरौद के ट्रस्ट एवं समिति के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की।

● एआई से रिपोर्ट बनाना, ईमेल तैयार करना, ग्राहकों से संवाद करना अब पहले की तुलना में हुआ आसान

एआई ने बदला काम का तरीका, स्टूडेंट्स के लिए बना 'डिजिटल टीचर', व्यापारियों को मिल रही नई दिशा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने लोगों के काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। आज एआई न केवल एक टूल है, बल्कि दैनिक जीवन में डिजिटल असिस्टेंट की भूमिका निभा रहा है, जिसकी मदद से घंटों का काम चंद मिनटों में पूरा हो रहा है। शहर में एआई का उपयोग शिक्षा, व्यापार और नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। हरिभूमि ने जब शहर के छात्रों और प्रोफेशनल्स से बात की तो उन्होंने बताया कि चैटजीपीटी और अन्य एआई टूल्स के आने से ऑनलाइन काम करना कहीं अधिक आसान हो गया है।

फ्रीलांसर और डिजिटल वर्कर्स का काम आसान

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब फ्रीलांस और डिजिटल प्रोफेशनल्स के लिए एक उपयोगी साथी बन गया है। कंटेंट राइटिंग से लेकर कोडिंग तक, अब हर काम में एआई न केवल गति ला रहा है, बल्कि काम को सरल भी बना रहा है। फ्रीलांसर सुमीत वर्मा का कहना है कि पहले रिसर्च में कई घंटे लग जाते थे, लेकिन अब एआई की मदद से मिनटों में जानकारी मिल जाती है। वे बताते हैं कि क्लाइंट्स के लिए सोशल मीडिया पोस्ट, ब्लॉग, आर्टिकल और वेबसाइट कंटेंट तेजी से तैयार हो रहे हैं।

रायपुर। छात्रों ने बताया कि पढ़ाई के दौरान एआई एक शिक्षक की तरह मदद कर रहा है। हर विषय के सवालों के जवाब उन्हें कुछ ही सेकंड में मिल जाते हैं। गणित जैसे कठिन विषयों को भी एआई सरल भाषा में समझा रहा है, जिससे जटिल अवधारणाएं भी आसानी से समझ आ रही हैं। वहीं, नौकरीपेशा और व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि रिपोर्ट बनाना, ईमेल तैयार करना या ग्राहकों से संवाद करना अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। एआई की मदद से उनकी कार्यक्षमता बढ़ी है और समय की बचत भी हो रही है। शहर में तेजी से बदलते डिजिटल माहौल में एआई एक प्रभावशाली उपकरण बनकर उभरा है, जो न केवल जानकारी दे रहा है, बल्कि काम को स्मार्ट और तेज बना रहा है।

घर के हर कोने में एआई की मौजूदगी

तकनीक के बदलते दौर में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ ऑफिस या प्रोफेशनल्स तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब यह आम घरों में भी अपनी खास जगह बना चुका है। रायपुर निवासी प्रीति तिवारी बताती हैं कि अब एआई की मदद से हफ्तेभर का घरेलू बजट, किराना लिस्ट और रोजमर्रा की जरूरी चीजें आसानी से प्लान की जा सकती हैं। एआई रिमाइंडर के रूप में काम करता है और समय पर जरूरी चीजें याद भी दिलाता है।

स्वास्थ्य से जुड़ी सलाह घर बैठे

एआई अब घरेलू महिलाओं के लिए हेल्थ कोच का भी काम कर रहा है। इससे डाइट प्लान, योग अभ्यास, फिटनेस टिप्स और बीमारियों से बचाव के उपाय आसानी से मिल जाते हैं। 55 वर्षीय सरोज शर्मा कहती हैं कि 'अब डॉक्टर की छोटी-मोटी सलाह के लिए एआई से मदद मिल जाती है।'

कैप्शन और पोस्ट आइडिया देता है एआई

डिजिटल मार्केटिंग से जुड़े प्रवीण शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया हैंडल्स को मैनेज करना अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। एआई न केवल कैप्शन और पोस्ट आइडिया देता है, बल्कि ट्रेंडिंग टॉपिक पर आधारित सुझाव भी देता है, जिससे काम आसान होता है। वेब डेवलपर शालिनी अग्रवाल का कहना है कि छोटे-मोटे कोड्स जनरेट करने में एआई टूल्स बहुत मदद करते हैं। इससे समय की बचत होती है और ज्यादा प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा किया जा सकता है।

मॉल में आईपीएल की लाइव स्क्रीनिंग चीयरलीडर्स के बीच फैंस ने उठाया लुत्फ

रायपुर। जब क्रिकेट का रोमांच और भरपूर एंटरटेनमेंट एक साथ मिल जाएं तो मजा दोगुना हो जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा मैग्नेटो मॉल में देखने को मिला। इंडियन प्रीमियर लीग के बीच मॉल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले की लाइव स्क्रीनिंग की गई। जहां शहरवासियों ने पूरे जोश के साथ मैच का लुत्फ उठाया। मॉल परिसर में क्रिकेट फैंस के लिए एक खास 'फैन पार्क' तैयार किया गया था, जिसने दर्शकों को बिल्कुल स्टेडियम में बैठकर मैच देखने जैसा फील दिया।

थीम पर आधारित आकर्षक डेकोरेशन, लजीज व्यंजनों से सजे फूड स्टॉल्स और ऊर्जा से भरी चीयरलीडर्स ने पूरे माहौल में चार चांद लगा दिए। चौकों-छक्कों पर शानदार डांस परफॉर्मेंस और

मनोरंजक मैस्कॉट्स ने युवाओं और बच्चों को खूब अट्रैक्ट किया, जिससे वहां मौजूद हर कोई मैच के रोमांच से जुड़ा रहा। क्रिकेट के प्रति दीवानगी और शहरवासियों की जबरदस्त एनर्जी देखने लायक थी। परिवार, कपल्स और दोस्तों के साथ बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने इस इवेंट को यादगार बना दिया।

गर्मी में समोसा-कचौड़ी समेत तली हुई सामग्री से करें तौबा

रायपुर। समोसा, कचौड़ी, पकौड़े, जलेबी....की बात होते ही मुंह में पानी आना स्वाभाविक है, लेकिन बेहतर होगा कि भीषण गर्मी में ऐसे तले-भुने, गर्म मसाले वाले खाद्य पदार्थों के उपयोग से बचा जाए। मांसाहार के बारे में तो सोचने से भी बचें। लगातार शरीर से निकल रहे पसीने के बीच गर्म मौसम में यह खाद्य सामग्री आपके शरीर की गर्मी को और बढ़ा देती है। डायटिशियन और महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक एवं योग समिति की समन्वयक आस्था काले ने यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जंक फूड, चिप्स, पिज्जा, बर्गर, कोलड्रिंक्स (सोडा), कैफीन युक्त पेय पदार्थ से भी जितनी दूरी बनाई जाए, उतना बेहतर होगा। सुबह वर्कआउट, योग और जिम जाने से पहले पर्याप्त पानी जरूर पीयें। अगर नींबू पानी-नमक-शहद अथवा छाछ या नारियल पानी पीते हैं तो बेहतर होगा। वर्कआउट के बाद प्रोटीन के रूप में मूंग दाल, सत्तू, मूंग मोठ अंकुरित, दही और फल फायदेमंद हैं। भोजन में कार्बोहाइड्रेट के रूप में गेंहू-चना रोटी, सब्जी और सलाद से सेहतमंद रह सकते हैं।

धूप से आने के बाद फ्रिज के बजाय मटके का पानी पीएं

उन्होंने बताया कि घर में पकाए गए ताजा और पौष्टिक आहार से भीषण गर्मी का सामना आसानी से कर सकते हैं। बासी खाना, फ्रिज में रखे भोजन या बाहर होटल-फुटपाथ पर चटपटे व्यंजन खाने से बचें। आस्था ने सभासदों और मेंबर्स को बताया कि हम घर में रहें या बाहर आफिस, दौरे पर, किसी भी दशा में हम भूखे न रहें। सुबह छह से आठ बजे तक नाश्ता करें। तेज धूप व लू के थपेड़ों से जूझते हुए जहां भी पहुंचते हैं तो फ्रिज के पानी की मांग कभी न करें। कोशिश करें कि पानी सादा हो या मटके का।

घरों के तापमान को ग्लोबल वार्मिंग व शरीर के लिए अनुकूल रखने स्मार्ट गैजेट्स

गर्मियों में घर को कूल रखेगा पोर्टेबल कूलर-एसी ब्रशलेस फैन बचाएगा 50 प्रतिशत तक बिजली

कार्नर न्यूज

रायपुर। गर्मियों में ठंडक पाने और बिजली के भारी भरकम बिल से बचने स्मार्ट एसी-कूलर और पंखों की डिमांड बढ़ी है। इसमें पोर्टेबल मिनी कूलर- एसी और ब्रशलेस फैन लोगों की पहली पसंद बन रही हैं। शहर के जाने माने इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स इंटीरियर डिजाइनर मनोज शर्मा का कहना है अब लोग अपने घरों में स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और पावर सेवर डिवाइस, लाइट्स लगवा रहे हैं। इसकी वजह एक तो लगातार ग्लोबल वार्मिंग चेंज से बढ़ती तापमान है। इसके साथ ही बिजली की अधिक खपत से पर्यावरण के साथ-साथ आर्थिक बजट पर प्रतिकूल प्रभाव से बचना है। बाजार में पोर्टेबल मिनी कूलर- एसी, ब्रशलेस फैन और इन्वर्टर एसी आ गई है। पोर्टेबल मिनी कूलर- एसी कम जगहों पर एडजेस्टेबल कूलिंग के लिए बेस्ट विकल्प बन रही है। वहीं, ब्रशलेस फैन और इन्वर्टर एसी 35 से 50 प्रतिशत तक बिजली की खपत को कम करने के चलते डिमांड में हैं। पुराने एसी के मुकाबले इन्वर्टर एसी बहुत कम बिजली खर्च करते हैं, क्योंकि इनका कंप्रेसर लगातार बंद-चालू नहीं होता। इसी तरह से ब्रशलेस पंखे इलेक्ट्रॉनिक कम्यूटेशन वाले उन्नत ब्रशलेस मोटर्स से बना होता है, जबकि सामान्य पंखे पारंपरिक एसी इंडक्शन मोटर्स का उपयोग करते हैं।

कूलिंग के लिए इन एलईडी लाइट्स का भी चलन

एलईडी लाइट्स में बर्ड, स्ट्रेट और 3 इन 1 लाइट्स के ऑप्शन बाजार में उपलब्ध हैं, जिसे आउटडोर और गार्डन के लिए इस्तेमाल आजकल किया जा रहा है। छत पर भी इन्हें लुक के लिए डेकोरेट करा रहे हैं। वहीं, इंडोर में मर्फी 12 वोल्ट थ्री इन वन लाइट्स बेस्ट हैं। इंटीरियर डिजाइनर बताते हैं कि ये प्रीमियम एक्रेलिक और धातु हार्डवेयर से तैयार की गई वॉल लाइट्स हैं, ये स्थायी रूप से लंबे समय तक चलती हैं। नरम और चमकीले गर्म सफेद एलईडी बल्ब की क्वालिटी वाली यह लाइट्स घरों में बेडरूम, लिविंग रूम और अन्य इंडोर स्थानों में एक आरामदायक और आकर्षक वातावरण प्रदान करती है।

ऑटोमैटिक टाइमर स्विच और स्मार्ट प्लग पावर सेवर गैजेट्स

ये पावर सेवर आमतौर पर ऐसे उपकरण होते हैं, जिनमें कैपेसिटर या इंडक्टर किसी न किसी तरह से जुड़े होते हैं और इनका विपणन इस तरह से किया जाता है कि यह आपके द्वारा उपयोग न की जाने वाली बिजली को फ़िल्टर करता है। इनमें एसी के लिए एसी पावर सेवर, पंखे व कूलर के लिए प्लग-इन पावर सेवर, ऑटोमैटिक टाइमर स्विच और स्मार्ट प्लग हैं। इन्हें मोबाइल ऐप से कंट्रोल किया जा सकता है और अनचाहे समय में बिजली बंद की जा सकती है।

बाजार में स्मार्ट एसी-कूलर व फैन की कीमत

पोर्टेबल मिनी कूलर की कीमत 5 से 10 हजार रुपए तक की कीमत में उपलब्ध हैं। वहीं, व्यक्तिगत पोर्टेबल मिनी कूलर 1800 से 2000 रुपए तक बाजार में उपलब्ध हैं। बात करें पोर्टेबल मिनी एसी की कीमत 10000 से 30000 हजार रुपए तक बिक रही हैं। इसके अलावा ब्रशलेस फैन की कीमत 2500 से लेकर 7 हजार रुपए तक है, जबकि इन्वर्टर एसी की कीमत 27000 से 40000 रुपए है।

5 स्टार रेटिंग डिवाइस घरों के लिए सही

शहर के कोतवाली रोड स्थित एसी-कूलर व स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स के विक्रेता अभय सिंह ने बताया कि लोग घरों को तापमान ग्लोबल वार्मिंग व शरीर के लिए अनुकूल रखने ऐसी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस खरीद रहें, जो कम से कम बिजली खपत करें व कम से कम तापमान उत्सर्जित करें। इसके लिए 5 स्टार वाली इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस की डिमांड खूब हो रही है। इसमें चाहे एयरकंडीशनर डिवाइज हो या स्मार्ट टीवी जैसी डिवाइज, साइंटिफिक नियम के मुताबिक 5 स्टार्स रेटिंग वाली टीवी एवं एसी ज्यादा डिमांड में हैं।

समाज लाइव

कृषि विश्वविद्यालय में अक्ती तिहार आज, मिट्टी और बीजों की होगी पूजा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अक्षय तृतीया के अवसर पर अक्ती तिहार का आयोजन किया गया है। सोमवार को सुबह 10.30 बजे से स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र स्थित प्रक्षेत्र में समारोह होगा। इस राज्य स्तरीय अक्ती तिहार समारोह के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम होंगे। अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे। अक्षय तृतीया के अवसर पर धरती माता एवं बीजों की पूजा-अर्चना कर बीज बुआई का कार्य प्रतीकात्मक रूप से किया जाएगा। साथ ही कृषि मंत्री द्वारा प्रगतिशील कृषकों को कृषि आदान सामग्री का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर किसानों के लिए नवीन बीज बुआई तकनीकी एवं कृषि में ड्रोन का उपयोग तकनीक का प्रदर्शन भी किया जाएगा। कृषि विज्ञान केंन्द्र रायपुर द्वारा इस अवसर पर 'रासायनिक उर्वरकों का विकल्प' विषय पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अक्ती तिहार का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रां एवं अनुसंधान केन्द्रों में भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अक्ती तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं और कृषि संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो अक्षय तृतीया के शुभ दिन मनाया जाता है। यह त्यौहार केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारे कृषक जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है।

खेती-किसानी परंपरा का प्रतीक

अक्ती तिहार के अवसर पर गांवों में सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की जाती है। ग्राम बैगा द्वारा ठाकुर देव की पूजा कर धान चढ़ाया जाता है, जो हमारी पारंपरिक आस्था और प्रकृति से जुड़ाव को दर्शाता है। किसान भाई अपने घरों से धान लाकर उसका एक भाग अपनी कोठी में मिलाते हैं और शेष भाग खेतों में पूजन के साथ बुआई की शुरुआत के रूप में अर्पित करते हैं। यह परंपरा कृषि कार्य की शुभ शुरुआत का संकेत देती है।

सिटी लाइव

छत्रपति शिवाजी महाराज की महाआरती, किया जयघोष

रायपुर। हिंदवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की महाआरती रविवार को सादगीपूर्ण आयोजन में की गई। जिसमें सभासदों ने शिवाजी का जोरदार जयघोष किया। इस अवसर पर अध्यक्ष अजय काले ने शिवाजी महाराज के शासनकाल में स्वराज के लिए किए गए प्रयासों, संघर्षों, युद्ध नीतियों पर खुलकर चर्चा करते हुए उनके जीवन प्रसंगों की नए अंदाज से व्याख्या की। इस मौके पर सखी निवास प्रभारी नमिता शेष, युवा समिति के समन्वयक विनोद राखुंडे, सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी, युवा समिति के सह प्रमुख शुभम पुराणिक, दिव्य महाराष्ट्र मंडल के प्रभारी कुणाल मिश्रा सहित पदाधिकारी और सभासद भी उपस्थित थे। बताते चलें कि छह जून को महाराष्ट्र मंडल के लॉन परिसर में सिंहासन पर विराजित शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा।

'शिव शौर्य' में दिखेगा शिवाजी महाराज का कृतित्व

सभासदों ने बताया कि इस मौके पर भव्य समारोह में विभिन्न आयोजनों के साथ अभिषेक बक्षी निर्देशित हिंदी नाटक 'शिव शौर्य' का मंचन संत ज्ञानेश्वर सभागृह के कुमुदिनी वरवंडकर स्मृति रंगमंच पर किया जाएगा। इस नाटक का मंडल परिसर में रिहर्सल लगातार चल रहा है। नाटक 'शिव शौर्य' में शिवाजी महाराज की केंद्रीय भूमिका निर्देशक अभिषेक बक्षी स्वयं निभाएंगे। महत्वपूर्ण भूमिकाओं में शशि वरवंडकर, चेतन दंडवते, पवन ओगले, कीर्ति हिशीकर, रविंद्र ठेंगड़ी, भारती पलोसदकर, योगेश दंडवते, पंकज सराफ, पराग दलाल, यशस्वी दंडवते, अभय भागवतकर, गणेशा जाधव पाटिल, प्रार्थना दंडवते सहित 20 कलाकार भी दिखाई देंगे।

आराधना

योग, आर्ट एंड क्रॉफ्ट और जुम्बा में बच्चों ने दिखाई रुचि

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार से जोड़ने की पहल जारी है। 10 दिवसीय समर कैंप के दूसरे दिन की शुरुआत हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से किया गया। बच्चों ने ध्यान और योग के साथ ही जमकर जुंबा डांस किया। साउंड बॉक्स में म्यूजिक बजते ही बच्चों ने जोश के साथ डांस किया। वहीं कैरम, क्रिकेट खेलकर बच्चों ने खूब एंजॉय किया। इस कैंप में शामिल होने वाले बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए अलग-अलग विधा में उन्हें पारंगत करने की पहल संस्था द्वारा की जा रही है। प्रभारी शिक्षिका अपर्णा आठले ने बताया कि समर कैंप के दूसरे दिन प्रवेश के लिए बहुत से बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे।

बच्चों ने तैयार किया डेकोरेटिव आइटम

रविवार को कैंप की शुरुआत मेडिटेशन और हनुमान चालीसा पाठ से की गई। शिक्षक रोशन सिंह राजपूत, नवीन चंद्राकर, वंदना बिसेन और अस्मिता कुसरे ने बच्चों को एक साथ हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ करवाया। साथ ही सुबह स्नान के बाद इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद आर्ट एंड क्राफ्ट में भी बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। शिक्षिका सुदेवी विश्वास, सरिता पांडे और रचना तिवारी ने बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट की एक्टिविटी कराई। वाल कप स्टैंड, वाल डेकोर वाले आइटम बच्चों ने तैयार किए।

अक्षय तृतीया के अवसर पर आयोजन, बच्चे आज रचाएंगे गुड्डे-गुड़िया का ब्याह और निभाएंगे परंपरा

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की रही धूम, विधिवत पूजा और महाआरती के बाद किया भोग-भंडारा

विष्णु अवतारी भगवान परशुराम की आस्था में जगह-जगह विधिवत पूजा-अर्चना और महाआरती की गई। विप्रजनों ने आराध्य देव के जीवन प्रसंगों पर संवाद करने के साथ ही आगामी आयोजनों की रूपरेखा तय करते हुए घोषणाएं कीं। अक्षय तृतीया की उदया तिथि इस साल 20 अप्रैल को मिलने से गुड्डे-गुड़िया का ब्याह रचाने का दायित्व बच्चे इस दिन निभाएंगे। इसके लिए उन्होंने रविवार को तैयारियों का क्रम जारी रखते हुए रस्मों को निभाने के लिए जरूरी सामग्री जुटाने का जतन किया। दूसरी तरफ भगवान परशुराम जन्मोत्सव की धूम सभी क्षेत्र में रही। जहां श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भोग-भंडारे का आयोजन करते हुए सेवा दी।

रायपुर। ब्राह्मण समाज ने रविवार को संजय नगर स्थित तुलसी भवन में धूमधाम से सनातन परंपराओं के साथ भगवान परशुराम प्रकट उत्सव का आयोजन किया। समाज के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला की अगुवाई में उपाध्यक्ष मित्रेश दुबे, राममूर्ति तिवारी, राजेंद्र शर्मा, प्रमोद शर्मा, आरएल द्विवेदी ने पूजा- अर्चना करते हुए आयोजन का शुभारंभ किया। कार्यसमिति की बैठक में अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला ने भगवान श्री परशुराम शौर्य वीरता पुरस्कार की स्थापना के लिए घोषणा करते हुए आगामी वर्ष से 04 युवा, 02 बालक एवं 02 बालिका को 5000 रुपए की सम्मान राशि से अलंकृत करने का निर्णय लिया। प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि समाज की महिला प्रकोष्ठ की कुसुम त्रिपाठी, सुसुम शुक्ला, अपर्णा तिवारी, शशि मिश्रा, सपना पांडे, बृजेश त्रिपाठी, मीनाक्षी तिवारी, सुचित्रा मिश्रा ने भी पंडाल लगाकर राहगीरों को छाछ, आम पना, शरबत, ठंडाई का वितरण किया।

दंडी स्वामी का मत, इसलिए आज अक्षय तृतीया

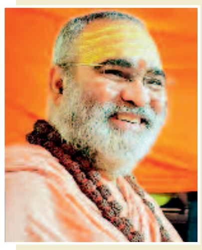

अक्षय तृतीया को लेकर बोरियाकला स्थित श्री शंकराचार्य आश्रम के प्रमुख दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने बताया कि इस साल अक्षय तृतीया का व्रत नियम 20 अप्रैल यानी सोमवार को ही करना शास्त्र सम्मत है। महाराज ने बताया कि ज्योतिष गणना के तहत ही वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 19 अप्रैल रविवार को दोपहर 1:01 बजे शुरू होकर 20 अप्रैल को सुबह 10:40 बजे तक प्रभावी रहेगी। चूंकि, तृतीया तिथि दो दिनों तक व्याप्त है, इसलिए धर्मग्रंथों के नियमों के तहत दूसरे दिन (सोमवार) को ही व्रत-पूजन करना श्रेष्ठ माना गया है।

आराध्य देव की आस्था में किया गया छाछ वितरण

समग्र ब्राह्मण परिषद् द्वारा पुरानी बस्ती स्थित श्री महामाया देवी मंदिर प्रांगण में परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सेवा की भावना के मनाया गया। संगठन के प्रदेश सचिव पं. सजल तिवारी ने बताया कि इसका शुभारंभ भगवान की पूजा-अर्चना से किया। श्री महामाया देवी मंदिर के व्यवस्थापक पं.विजय कुमार झा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन करवाया गया। इसके बाद आरती और प्रसाद वितरण किया गया। परिषद् के मुख्य सलाहकार डॉ. भावेश शुक्ला पराशर और संस्थापक सदस्य प्रमिला तिवारी सहित भक्तों ने पुरानी बस्ती में शीतला बाजार के पास राहगीरों, श्रमिकों और आम लोगों को छाछ वितरित किया। इसमें पं. शिबू बिहारी शुक्ला, कालिंदी उपाध्याय, स्वाति मिश्रा, खुशबू शर्मा, संध्या उपाध्याय, प्रीति तिवारी, भारती शर्मा ने सेवा दी।

कलाकारों की रचनाओं में भगवान परशुराम

महाकोशल कला परिषद द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर रविवार को आयोजित राष्ट्रीय परशुराम कला प्रदर्शनी की श्रृंखला में आर्ट गैलरी दर्शकों से गुलजार रही। इसमें वरिष्ठ कलाकार, महिला रचनाकार एवं युवा और बाल कलाकारों की कृतियां भगवान परशुराम के जीवन चरित्र को परिभाषित करती प्रदर्शनी का हिस्सा बनीं। विषय के अंतर्गत परशुराम को माता के साथ ही वात्सल्य, भगवान गणेश और परशुराम का युद्ध की जीवंत प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही। राम-सीता विवाह में लक्ष्मण परशुराम संवाद, परशुराम का वन गमन, शिव के धनुष पर राम व परशुराम संवाद पर चुनिंदा रचनाएं प्रदर्शित कीं। जलरंग, पेस्टल, एक्रेलिक क्लर, वुडकट का रचनाओं को तैयार करने में उपयोग किया। लिनो कट प्रिंट, ग्राफिक्स, कम्प्यूटर ग्राफिक्स, फोटो ग्राफिक, चारकोल, तैल रंग, पेंसिल, स्याही के माध्यम से रचनाओं का सृजन किया है।

आराध्य को अर्पित किया 56 भोग, की महाआरती

अक्षय तृतीया के अवसर पर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा गुढ़ियारी में परशुराम के जन्मोत्सव पर आयोजन किया गया। समाज के अध्यक्ष किशन लाल बाजारी ने बताया कि जन्मोत्सव पर अभिषेक, श्रृंगार, पूजा-अर्चना करते हुए भक्तों ने 56 भोग अर्पित कर महाआरती की। उपाध्यक्ष डॉ. विकास पाठक सहित समाजजनों की उपस्थिति में समाज की महिलाओं ने बच्चों के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए। इसमें बच्चों ने धार्मिक प्रश्नोत्तरी, नृत्य, संगीत, फैंसी ड्रेस में भाग लिया। 23 अप्रैल को समाज द्वारा भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो गुढ़ियारी भ्रमण करते हुए परशुराम भवन पहुंचेगी। जन्मोत्सव में रामचंद्र जोशी, ओमप्रकाश बाबला, जोहरी लाल शर्मा, रामरतन जोशी, शंकर लाल जोशी, श्रवण शर्मा, पं. घनश्याम पारीक, पं. वेद प्रकाश शर्मा सहित समाज के लोग शामिल हुए।

विधिवत पूजा-अर्चना के बाद की महाआरती

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद द्वारा प्रोफेसर कॉलोनी स्थित कार्यालय में भगवान श्री परशुराम अवतरण दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की। साथ ही समाज कल्याण के लिए कामना करते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। सुरेश मिश्रा, अरविंद ओझा, डॉ. सुनील कुमार ओझा, नितिन कुमार झा, अविनय दुबे, नमिता शर्मा, सुमन मिश्रा, बिन्दु ओझा ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर भक्तों को सेव-बूंदी का वितरण किया। इसमें पूर्व महापौर प्रमोद दुबे मुख्य रूप से शामिल हुए। नितिन कुमार झा, सुयश शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्रजनों ने सेवाएं दीं।

ब्राह्मणपारा चौक के पास प्रसादी वितरण

शहर के पूर्व महापौर प्रमोद दुबे के मुख्य आतिथ्य में शहर कांग्रेस के महामंत्री पं. अविनय दुबे द्वारा ब्राह्मण पारा आजाद चौक के पास प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष सूयश शर्मा, प्रदेश सचिव दिनेश तिवारी, आलोक तिवारी, पन्नू चौबे, वैशाख कुसरे ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

जन्मोत्सव पर भक्तिभाव से पूजा-अर्चना के बाद सेवा

भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं अक्षय तृतीय के अवसर पर विप्रजनों ने ग्रास मेमोरियल स्थित मां काली मंदिर के समक्ष परशुराम और मां काली की पूजा - अर्चना करते हुए उन्हें भोग प्रसादी अर्पित की। इसके बाद राहगीरों में छाछ वितरित किया गया। विप्रजन पंकज मिश्रा ने बताया कि आराध्य देव के आदर्शों, न्याय, साहस, धर्मरक्षा का प्रण लिया गया। समाज सेवा, परोपकार की भावना से यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरयूपारीण ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुरेश शुक्ला, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सहोदर गुप्ता, अभिषेक शर्मा, योगेश तिवारी, कुणाल दुबे, सूरज शुक्ला, शांतनु झा, संस्कार पांडेय ने सहभागिता निभाई।

गुढ़ियारी पड़ाव में की गई महाआरती, भंडारा

प्रति वर्ष की तरह परशुराम सेवा मंडल गुढ़ियारी पड़ाव द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर विधिवत पूजा और महाआरती की गई। इसके बाद भक्तों और राहगीरों के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें सेवा मंडल के सदस्यों और पदाधिकारियों ने भी सहयोग दिया।

भूमिहार ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जन्मोत्सव

भूमिहार ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति के साथ मनाया गया। ब्रह्म ऋषि भूमिहार ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने परिवारों सहित इस आयोजन में भाग लिया। इसका शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं धूप-दीप के साथ आरती और आराधना से किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन किया गया। जिनमें समाज के लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

थोक विक्रेता व पार्लर संचालकों में इस सीजन अच्छे कारोबार की आशा

आइसक्रीम की 20 से अधिक वैरायटी, गर्मी में बढ़ी डिमांड मैंगो, मिंट चॉकलेट चिप और कुनाफा फ्लेवर बनीं पहली पसंद

कार्नर न्यूज

रायपुर। शादी-पार्टी हो या चिलचिलाती धूप आइसक्रीम हर सीजन में हर वर्ग की पहली डिमांड होती है। लेकिन, बच्चों व युवाओं को सबसे ज्यादा पसंद होती है। आजकल शहर के आइसक्रीम पार्लर, कैफे, बेकरी, होटल-रेस्टोरेंट्स, डेली नीड्स और रोड साइड स्टॉल पर लोग ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का स्वाद लेते दिखे रहे हैं। शहर के शंकर नगर, देवेंद्र नगर, अवंती विहार और पंडरी जैसे क्षेत्रों में आइसक्रीम के थोक विक्रेता व पार्लर संचालकों का कहना है कि गर्मी के कारण आइसक्रीम की मांग में जबरदस्त उछाल आया है। शहर के प्रमुख आइसक्रीम पार्लरों व बेकरी शॉप में बच्चे व बड़ों की भीड़ बढ़ गई है। समर सीजन के चलते आइसक्रीम की बिक्री 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। आइसक्रीम की प्रमुख ब्रांडों के वितरकों का कहना है कि गर्मी के मौसम आते ही आइसक्रीम का डिमांड बढ़ने लगा है। ग्राहकों के बीच नए फ्लेवर की मांग भी बढ़ गई है। तेज गर्मी के कारण लोग ठंडक के लिए आइसक्रीम, आइस कैंडी और कुल्फी का लोग खूब लुप्त उठाने पहुंच रहे हैं। इससे शहर के सभी पार्लरों में बिक्री तेज हुई है, जिससे आपूर्ति पर भी दबाव बढ़ गया है। ग्राहकों द्वारा परंपरागत स्वादों के अलावा नए और अनूठे फ्लेवर्स की मांग की जा रही है। गर्मियों के सबसे लोकप्रिय आइसक्रीम फ्लेवर में सबसे ज्यादा डिमांड मैंगो फ्लेवर की होती है, जो ताजगी और मौसमी स्वाद के कारण पहली पसंद बनी रहती है। इसके अलावा, चॉकलेट, वनीला, बटरस्कॉच और नए ट्रेंड में कुनाफा फ्लेवर की मांग बहुत अधिक है। ताज़गी के लिए ऑरेंज, पाइनएप्पल और मिंट चॉकलेट चिप भी लोकप्रिय हैं।

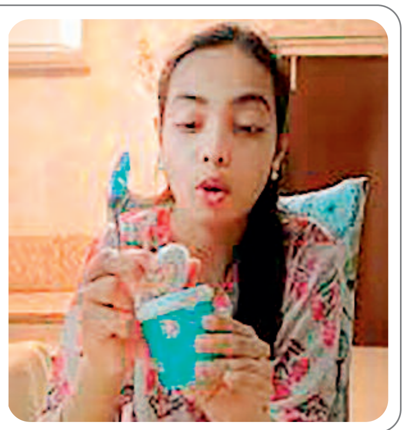

फैमिली-फ्रेंड्स के साथ उठा रहें स्वाद का लुफ्त

शाम के समय शहर के आइसक्रीम पार्लर, रेस्टोरेंट्स, कैफे, चौपाटी में बच्चे फैमिली व युवा अपने दोस्तों के साथ ठंडक व स्वाद का लुफ्त उठाने पहुंच रहे हैं। खासकर लोग आइसक्रीम के अलग-अलग फ्लेवर्स में मैंगो, वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, कुनाफा, साल्टेड कारमेल, ब्लूबेरी इलायची, ऑरेंज क्रीम्सिकल, रैस्पबेरी पाइनएप्पल, बटरस्कॉच, चॉकलेट चिप कुकी डो का खूब आनंद उठा गर्मी से राहत पा रहे हैं।

5 करोड़ से अधिक का टर्न ओवर

आइसक्रीम के थोक विक्रेता व पार्लर संचालक के मुताबिक राजधानी क्षेत्र में आइसक्रीम के विविध ब्रांड्स को मिलाकर टर्न ओवर लगभग 5 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई हैं। इसमें हर साल सबसे ज्यादा बिक्री व आमदानी गर्मी के मौसम व शादी-पार्टियों के चलते होता है। वहीं, आउट सीजन में फेस्टिवल व स्कूल-कॉलेज सीजन में सामान्य बिकवाली होती है। इस तरह से शहर में आइसक्रीम का कारोबार होता है।

सिटी स्पोर्ट्स

अन्डर-19 में ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन रहे विजेता

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 वूमेन'एस चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत रविवार को विभिन्न टीमों के बीच मुकाबले हुए। मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में टीम ईस्ट जोन विरुद् साउथ जोन में परिणाम ईस्ट जोन 8 विकेट से विजेता रहा। कल्याण कॉलेज ग्राउंड में टीम नॉर्थ जोन विरुद्ध सेंट्रल जोन में सेंट्रल जोन 8 विकेट से विजेता रहा। इधर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित अंडर-16 प्लेट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दौर के दूसरे अंतिम दिन शानदार मैच हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड -1 टीम सरगुजा विरुद्ध दंतेवाड़ा में सरगुजा ने 159 रन से जीता एवं 6 अंक प्राप्त किए। दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में टीम महासमुंद विरुद्ध कोरबा मैच का परिणाम ड्रॉ रहा। पहली पारी की बढ़त के आधार पर कोरबा को तीन अंक एवं महासमुंद को एक अंक मिला। दल्ली राजहरा में टीम जशपुर विरुद्ध धमतरी मैच का परिणाम ड्रॉ रहा। पहली पारी की बढ़त के आधार पर जशपुर को तीन अंक और धमतरी को एक अंक मिला। धमतरी में टीम कोरिया जिला विरुद्ध कांकेर में कोरिया जिला ने 6 विकेट से जीता एवं 6 अंक प्राप्त किए। कवर्धा में टीम बिलासपुर ब्लू विरुद्ध कवर्धा का मैच ड्रॉ रहा। पहली पारी की बढ़त के आधार पर कवर्धा को तीन और बिलासपुर ब्लू को एक अंक मिला। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम जांजगीर चांपा विरुद्ध बस्तर में जांजगीर चांपा ने 8 विकेट से जीता एवं 6 अंक प्राप्त किए।

सीनियर नेशनल के लिए छत्तीसगढ़ रग्बी पुरूष टीम बिहार रवाना

रायपुर। रग्बी इण्डिया एवं बिहार रग्बी एसोसिएशन द्वारा सीनियर नेशनल रग्बी सेवेन्स (पुरूष) चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स राजगीर, बिहार में 20 और 21 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। इस सीनियर नेशनल रग्बी सेवेन्स चैम्पियनशिप में उच्च स्थान हासिल करन वाली 7 टीमें ₹नेशनल गेम्स₹ के लिये क्वालिफाई होगी। छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव डॉ. अयाज अहमद खान ने बताया कि इस चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ की सीनियर रग्बी सेवेन्स पुरुष टीम के खिलाड़ी भाग ले रहे है। छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी तथा समस्त प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। छत्तीसगढ़ टीम शनिवार को साऊथ बिहार एक्सप्रेस से सुबह रवाना हुई। खिलाड़ियों में ओम प्रकाश यादव (कप्तान), अंकेश कुमार पाण्डे (उप कप्तान), हरिओम विनायक, विकेश जगत, इंद्रपाल यादव, शुभांश शर्मा, अनुग्रह शर्मा, मिनेश गौतम, सोहन शार्दुल, खेम सिंह, पार्थ कुमार शर्मा, विश्व जीत पैकरा, कोच- ढ़ाल सिंह एवं मैनेजर भारत यादव शामिल है।

अंडर-19 के कोच बने शांतनु

भिलाई। इस्पात नगरी के क्रिकेटर शांतनु घोष को अंडर-19 बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एलिट कैम्प 2026 के लिए बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया है। वर्तमान में शांतनु जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अंडर-19 बालक टीम के प्रमुख कोच के तौर पर कार्यरत हैं।

अंडर-23 क्रिकेट में प्रथम के नॉट आउट 102 रन

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से अंडर-23 सिलेक्शन मैच जारी है। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम ईस्ट जोन विरुद्ध साउथ जोन का मैच हुआ। बल्लेबाजी में साउथ जोन ने पहली पारी में 7 विकेट पर 276 रन बनाए। प्रथम याचक ने नॉट आउट 102 रन, अमृतांश शुक्ला ने 39 रन एवं तेजस मोरे ने 38 रन बनाए। गेंदबाजी में ईस्ट जोन के अंकित कुमार एवं सौम्य केसरी ने 2-2 विकेट लिए। आरडीसीए रायपुर में हुए मैच में टीम वेस्ट जोन विरुद्ध नॉर्दन जोन का मैच हुआ। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन टीम पहली पारी में 113 रन पर आउट हुई। कप्तान राहुल प्रधान ने 39 रन बनाएं। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन के आर्यन जायसवाल, भावेश साहू, जितेश वर्मा एवं आराध्या गुप्ता ने दो-दो विकेट लिए।

ट्रांसफैट से बढ़ता है हार्ट अटैक का खतरा, गलत तरीके और अधिक सेवन से नुकसान

फैट शरीर के लिए हमेशा नुकसान की वजह नहीं, कई मामलों में जरूरी भी है शरीर के लिए

वजन कम करने के लिए फैट फूड को खाना बंद करना होगा। यह दुनिया का सबसे बड़ा मिथक है। इसका कारण है कि अधिकतर लोगों का मानना है, कि फैट खाने से ही वजन बढ़ता है। जबकि ऐसा नहीं है, प्रोटीन और कार्ब की तरह फैट भी शरीर के लिए काफी जरूरी होता है। फैट खाने के कई फायदे हैं, जैसे टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ाता है,शरीर के विभिन्न कार्यों में मदद करता है, फैट खाने से गहरी नींद आती है,हड्डी और जोड़ों के लिए है अच्छा,स्किन के लिए महत्वपूर्ण है आदि। फैट खाने से वजन नहीं बढ़ता बल्कि फैट के गलत प्रकार का अधिक सेवन करने से वजन बढ़ता है। जो कि कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। लंबे समय तक सैचुरेटेड फैट और ट्रांस फैट के सेवन से शरीर में चर्बी का स्टोरेज होने लगता है और वजन बढ़ने लगता है।

ट्रांसफैट को अनहेल्दी फैट के रूप में जाना जाता है, जिसके सेवन से कई हेल्थ रिस्क हो सकती हैं। हालांकि पिछले कुछ सालों में ट्रांस फैट के सेवन में काफी कमी देखी गई है। लेकिन अभी भी ट्रांस फैट रोजमर्रा की चीजों में मिल जाता है। तो आइए जानते हैं, ट्रांस फैट के बारे में वो सब जो जानना काफी जरूरी है।

ट्रांसफैट क्या है

खाद्य पदार्थों में दो प्रकार के ट्रांस फैट पाए जाते हैं, प्राकृतिक ट्रांस फैट और आर्टिफिशिअल ट्रांस फैट। प्राकृतिक ट्रांस फैट कुछ जानवरों के पेट में उत्पन्न होते हैं और इन जानवरों से बने खाद्य पदार्थों (जैसे, दूध और मांस उत्पादों) में इन फैट की मात्रा आ जाती है। वहीं आर्टिफिशिअल या कृत्रिम ट्रांस फैट (या ट्रांस फैटी एसिड) एक इंडस्ट्रियल प्रोसेस से बनाए जाते हैं, जो लिक्विड वनस्पति तेलों को रूम तापमान पर ठोस बनाने के लिए हाइड्रोजनीकरण विधि से बनाया जाता है और उन्हें रासायनिक रूप से बदल दिया जाता है। यह उन्हें लंबे समय तक शेल्फ लाइफ देता है।

आपकी रोजाना ली जाने वाली कैलोरी का 1 प्रतिशत से अधिक ट्रांस फैट का सेवन नहीं करना चाहिए। यानी कि अगर कोई 2000 कैलोरी का सेवन कर रहा है, तो 20 कैलोरी से अधिक ट्रांस फैट से नहीं जाना चाहिए।

प्रोसेस फूड के ट्रांसफैट के लिए प्राइमरी डाइट्री सोर्स 'आंशिक रूप से हाइड्रोजनीकृत तेल' है। नवंबर 2013 में, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक ऑर्डर निकाला था कि आंशिक रूप से हाइड्रोजनीकृत तेल को आम तौर पर मानव भोजन में प्रयोग होने के लिए सुरक्षित होने के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

वहीं भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भी खाद्य पदार्थों में ट्रांसफैट के इस्तेमाल को कम करने के लिए कुछ नियम जारी किए थे। नियम के मुताबिक, एफएसएसएआई ट्रांसफैट की मात्रा को 2021 तक 3 प्रतिशत और 2022 तक 2 प्रतिशत तक करने के लिए नियम ला रहा है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी 2022 तक दुनिया को ट्रांस फैट से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। 2003 में नॉर्वे ने फूड में ट्रांस फैट की मात्रा को पूरी तरह से बैन कर दिया था।

ट्रांसफैट हेल्थ को कैसे प्रभावित करते हैं ?

ट्रांस फैट आपके खराब (एलडीएल) कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ाते हैं और अच्छे (एचडीएल) कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं। ट्रांस फैट खाने से हृदय रोग और स्ट्रोक होने का खतरा बढ़ जाता है। यह टाइप-2 डायबिटीज के विकास के जोखिम को भी बढ़ा देता है।

हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाने में कृत्रिम ट्रांस फैट की भूमिका सामने आई है। रिसर्च के मुताबिक, फैट के अन्य प्रकार या कार्ब्स की बजाय ट्रांस फैट का सेवन करने वाले लोगों का एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि हुई थी।

ट्रांसफैट इतना फेमस क्यों है ?

1990 से पहले, ट्रांस फैट के बारे में बहुत कम जानकारी थी कि ट्रांस फैट आपके स्वास्थ्य को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन 1990 के दशक में, रिसर्च ने ट्रांस फैट के बारे में रिसर्च शुरू की। इन निष्कर्षों के आधार पर, एफडीए ने ट्रांस फैट के लिए लेबलिंग नियम बनाए और हाल के दशकों में अमेरिका में खपत में कमी आई है। इस कारण से नियमानुसार ट्रांस फैट की मात्रा को किसी भी फूड प्रोडक्ट के लेवल पर मेंशन करना जरूरी हो गया है।

वर्कआउट करते समय जल्दी नहीं होगी थकान, अपनाएंगे ऐसे टिप्स

जिम में जाकर हैवी वर्कआउट करना हो या दिनभर कोई मुश्किल भरा काम करना हो। किसी के लिए ये आसान होता है तो कुछ लोगों के लिए ये मुश्किलभरा होता है। जो लोग इस तरह का काम करने में परेशान हो जाते हैं, उन्हें थकान होने लगती है या सांस फूलने लगती है। यह पूरा मामला 'स्टैमिना' से जुड़ा होता है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो

अधिकतर लोग एक दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं और दूसरे दिन कार्डियो। लेकिन क्या आपने सोचा है कि इन दोनों को एक ही दिन करने से क्या होगा? यदि आप सिर्फ कार्डियो करते हैं तो वो आपको स्टेमिना और एंड्यूरेंस बढ़ाने से रोकेगा। इसलिए आपको स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो साथ में करना चाहिए।कारण है कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मसल्स मास बढ़ता है, जिससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और स्टैमिना बूस्ट होता है। आपके अंदर ताकत आती है, जिससे आप एक्सरसाइज के दौरान आसानी से हैवी वेट को उठा पाएंगे और कम ऑक्सीजन ग्रहण करेंगे। इससे आपको थकान भी काफी कम होगी। यदि आप सिर्फ कार्डियो करते हैं तो मसल्स लॉस होने के कारण ताकत कम रहेगी, जिसका रिजल्ट आने वाले दिनों में मिलेगा और आप हैवी वेट नहीं उठा पाएंगे।

रेस्ट पीरियड कम करें

ट्रेनिंग के दौरान रेस्ट पीरियड कम करने से भी स्टेमिना बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके लिए हमेशा इंटेंस मूवमेंट या एक्सरसाइज करें ताकि रेस्ट पीरियड कम से कम हो। इस प्रक्रिया में शरीर का स्टेमिना लंबे समय तक बना रहेगा और आप जल्दी-जल्दी हैवी वर्कआउट कर पाएंगे। यानी शुरुआत धीरे-धीरे करें और जल्दी-जल्दी वर्कआउट करके खत्म करें। याद रखें हर सेट के बीच अधिक से अधिक 30 सेकेंड का रेस्ट होना चाहिए।

शाम के समय आरती की लौ चारों दिशाओं में दिखाना जरूरी, जानिए वजह

बता दें, बिना आरती के पूजा अधूरी मानी जाती है। कुछ लोग आरती करने के बाद पौधे के पास दीपक रखते हैं। जो वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ माना जाता है। अब ऐसे में मंदिर में शाम की आरती के बाद आरती की लौ को चारों दिशाओं में दिखाई जाती है। इसका महत्व जरूर जानिए।

उत्तर दिशा में आरती की लौ दिखाना

उत्तर दिशा में भगवान शिव और कुबेर देवता का वास होता है। शास्त्रों में भगवान कुबेर को धन-संपत्ति का देवता माना गया है। साथ ही महादेव को दिशा अत्यंत प्रिय है। इसलिए इस दिशा में संध्या के समय आरती की लौ दिखाई जाती है। इससे व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलते हैं और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

पश्चिम दिशा में आरती की लौ दिखाना

पश्चिम दिशा शनिदेव की मानी जाती है। इसलिए इस दिशा में संध्या के समय आरती की लौ दिखाई जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिशा में आरती की दिखाने से व्यक्ति पर शनिदेव की कृपा बनी रहती है और शनि दोष से भी छुटकारा मिल सकता है।

पूर्व दिशा में आरती की लौ दिखाना

पूर्व दिशा भगवान विष्णु की दिशा मानी जाती है। इसलिए इस दिशा में आरती की लौ दिखानी चाहिए। इससे विष्णु जी प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति के ऊपर श्रीहरि की कृपा बनी रहती है। इस दिशा में आरती की लौ दिखाने से सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

दक्षिण दिशा में आरती की लौ दिखाना

दक्षिण दिशा यम और पितरों का दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा में संध्या की आरती दिखाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को अकाल मृत्यु से भी छुटकारा मिल सकता है । इसलिए इस दिशा में संध्या आरती दिखाएं।

आरती करने के नियम क्या हैं?

अगर आप आरती कर रहे हैं, तो एक ही स्थान पर खड़े होकर करनी चाहिए। आरती करने के दौरान थोड़ा झूकना चाहिए। आरती करते समय भगवान की चरणों की ओर चार बार, नाभि की और दो बार, मुख की ओर एक बार और शरीर की सभी अंगों की ओर सात बार करनी चाहिए। इसलिए इस बात का ध्यान अवश्य रखें।

चावल से बनी कांजी पेट की गर्मी को करेगी दूर

चावल की कांजी चावल के पके हुए पानी को कहा जाता है। गर्मियों में इसके सेवन से शरीर को कई सारे लाभ मिलते हैं। अक्सर लोग डिहाइड्रेशन, दस्त, हैजा और गैस्ट्रोएन्टेराइटिस जैसी समस्या होने पर इसका सेवन करते हैं। पेट को ठंडा करने के लिए चावल से बनी कांजी के सेवन को बहुत लाभदायक माना गया है, चलिए जान लेते हैं कि चावल की कांजी कैसे बनाई जाती है। चावल की कांजी बनाने के लिए सबसे पहले चावल को पानी में डालकर धो लें। इससे चावल की सभी गंदगी पानी से साफ हो जाएगी और स्टार्च भी साफ हो जाएंगे। अब चावल को पकाना है, इसके लिए एक बर्तन में पानी गर्म करने के लिए रखें। पानी गर्म हो जाए तो चावल को डालकर उबाल लें। चावल पक जाए तो बचे हुए पानी को छान लें। चावल के इस स्टार्च वाले पानी को फेंकना नहीं है, यही चावल का कांजी है, जो हमारे सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। चावल का पानी बच जाए तो आप इसे फ्रिज में स्टोर कर बाद में भी इसका स्वाद और लाभ ले सकते हैं।

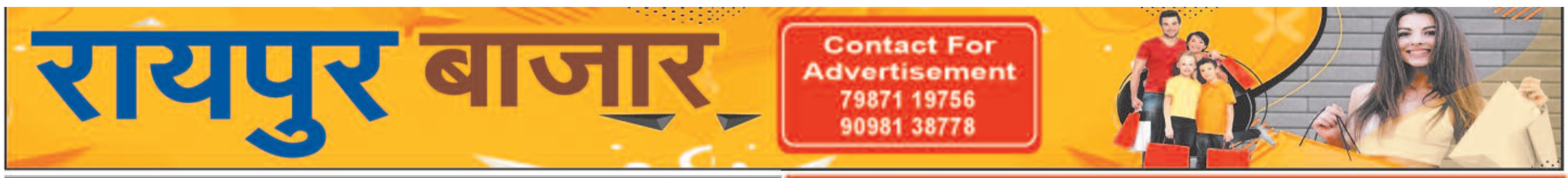

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

क्रिस की स्टेज पर अजीब हरकत वायरल हुआ पति का रिएक्शन

अमेरिकी गायक और रैपर क्रिस ब्राउन का विवादों से पुराना नाता है। अब एक बार फिर अपने हालिया कॉन्सर्ट को लेकर क्रिस ब्राउन विवादों में घिर गए हैं। इस कॉन्सर्ट के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसी में एक वीडियो ऐसा सामने आया, जिसने क्रिस को विवादों में खड़ा कर दिया। विवादित वायरल वीडियो में क्रिस ब्राउन स्टेज पर ही एक महिला को पहले बुलाते हैं, फिर उसके साथ कुछ ऐसा करते, जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है। नेटिजंस इस वीडियो पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में क्रिस ब्राउन अपने क्लासिक ट्रैक 'टेक यू डाउन' पर परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं। यह एक ऐसा गाना है, जिसके दौरान वह अक्सर किसी फैन को स्टेज पर बुला लेते हैं। इस दौरान भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया। वायरल वीडियो में एक महिला लाल सोफे पर लेटी हुई दिखती है, जबकि क्रिस ब्राउन उसके ऊपर नाचते हैं और उसके कान में धीरे से गाते हैं। यह पल तब चर्चा में आ गया जब वह महिला अचानक क्रिस का चेहरा पकड़कर उन्हें किस कर लेती है। लगभग तुरंत ही इसके साथ एक और क्लिप भी वायरल होने लगी, जिसमें दर्शकों में बैठा एक व्यक्ति, कथित तौर पर महिला का पति, इस पल को निराशा के साथ देखता हुआ अपना सिर हिलाता हुआ दिखाई देता है। इस वीडियो के सामने आते ही क्रिस ब्राउन एक बार फिर विवादों में घिर गए। वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग एक शादीशुदा महिला के अचानक क्रिस ब्राउन को किस करने पर उसे ट्रोल कर रहे हैं।

टॉलीवुड

'श्रीनिवास मंगापुरम' का टीजर रिलीज महेश के भतीजे संग नजर आएंगी राशा

फिल्म निर्माता अजय भूपति द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' का टीजर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इसके टीजर में रोमांस के सा थ जबरदस्त एक्शन दिखाया गया है। इस फिल्म में जयकृष्ण घट्टमनेनी और राशा थडानी मुख्य भूमिका में हैं।

वादे के अनुसार, 'श्रीनिवास मंगापुरम' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म का टीजर एक्शन, रोमांस और थ्रिलर से भरपूर है। इस फिल्म का निर्देशन अजय भूपति ने किया है। इस फिल्म में सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जयकृष्ण मुख्य भूमिका में हैं। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी भी इस फिल्म से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म की कहानी तिरुपति के इलाके की है। इसमें वासु बाबू (जयकृष्ण) और मंगा (राशा थडानी) की कहानी दिखाई गई है। दोनों पहले अच्छे दोस्त होते हैं, फिर धीरे-धीरे उनका रिश्ता गहरे प्यार में बदल जाता है। लेकिन उनकी खुशियों में अचानक मुश्किलें आ जाती हैं। परिस्थितियां उनके रिश्ते को चुनौती देती हैं। नायक को इन सब चुनौतियों का सामना करते हुए मजबूत बनना पड़ता है। दोनों की केमिस्ट्री बहुत अच्छी लग रही है। मोहन बाबू ने फिल्म में खलनायक का रोल निभाया है, जो कहानी में रोमांच बढ़ा देता है। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति ने किया है। अजय भूपति पहले 'आरएक्स 100', 'महा समुद्रम' और 'मंगलावरम' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। यह फिल्म इस साल 2026 में रिलीज होगी। फिल्म में जयकृष्ण घट्टमनेनी और राशा थडानी मुख्य भूमिका में हैं। जबकि खलनायक के किरदार में मोहन बाबू नजर आए।

भोजपुरी

पवन और खुशी की शानदार केमिस्ट्री 'सड़िया ए जान' में

भोजपुरी सिंगर और नेता पवन सिंह अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में अंजली राघव के साथ बदसलूकी के मामले में उनका नाम सामने आया था। सिंगर ने उनसे माफी मांग ली और यह मामला शांत हो गया। अब पवन सिंह अपने नए गाने 'सड़िया ए जान' की वजह से सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इसमें वह खुशी तिवारी के साथ पर्दे पर रोमांस करते दिख रहे हैं। पवन सिंह का नया गाना 'सड़िया ए जान' रिलीज हो चुका है। गाने में खुशी तिवारी खुद को संवारने के लिए पवन सिंह से नई-नई साड़ियों की डिमांड कर रही हैं। पवन सिंह भी उनके साड़ी लुक पर फिदा हैं। गाने में खुशी तिवारी और पवन सिंह का रोमांस भी दिखाया गया है। पर्दे पर दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री भी गाने की तरह खिल रही है। 'सड़िया ए जान' गाने को पवन सिंह ने सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। गाने के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं और संगीत निर्देशक प्रियांशु सिंह हैं। गाने का म्यूजिक भी वाइब देने वाला है। लेटेस्ट गाने को सोमवार सुबह ही रिलीज किया गया है। खबर लिखे जाने तक गाने को यूट्यूब पर 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

इससे पहले साउथ की पैन-इंडिया फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' में भी पवन सिंह का स्पेशल गाना था। फिल्म में उनका गाना 'टच बेबी' को फिल्माया गया, जिसमें वे अदिवि शेष के साथ पर्दे पर धमाल मचाते हुए दिखे। यह साउथ सिनेमा में पवन सिंह का डेब्यू है, जिसे फैंस की तरफ से बहुत सारा प्यार भी मिला। 'डकैतः एक प्रेम कथा' बीते हफ्ते यानी 10 अप्रैल को रिलीज हो चुकी है।

हैंडलूम की शान

देश की मशहूर डिज़ाइनर वैशाली शदांगुले भारतीय हथकरघा (हैंडलूम) को नया और आधुनिक बनाने की पैरवी करती हैं। आज उनकी डिजाइन भारत से लेकर विदेश में भी शान से अपनाए जा रहे हैं। वैशाली मानती हैं कि हमारी हथकरघा विरासत को पहनने वाले और खरीदने वाले आज की युवा पीढ़ी हैं। आखिरकार, चाहे भारत में हों या दुनिया भर में, हमें अपनी विरासत को उनके लिए समझने लायक और पहनने लायक बनाना होगा। भारतीय हथकरघा उत्पाद लंबे समय से पारंपरिक पहनावे से जुड़े रहे हैं, और शादियों जैसे मौकों के अलावा इनका इस्तेमाल शायद ही कभी किया जाता है। लेकिन साथ ही, इन पारंपरिक कपड़ों की अंतरराष्ट्रीय डिज़ाइनरों के बीच बहुत ज़्यादा मांग है। उनके लिए कारीगरी का स्तर, सुंदरता और 'स्लो फ़ैशन' के सिद्धांत का पालन ही लक्ज़री उत्पादों का असली सार तय करता है।

फंक्शन में दिखना है सबसे अलग स्टाइल कीजिए खास आउटफिट्स

शादी के फंक्शन में शामिल होने के दौरान आप इस तरह के थ्री-पीस सूट स्टाइल कर सकती हैं जो न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

शादी से पहले कई सारे फंक्शन होते हैं और इन फंक्शन में शामिल होने के दौरान महिलाएं खूबसूरत नजर आना चाहती हैं। वहीं, अगर आप शादी के फंक्शन में शामिल हो रही हैं तो और इस दौरान सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं तो, आप इस तरह के करेंगी ये 3 पीस आउटफिट्स इस खास मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। इस आउटफिट में आपका लुक खूबसूरत साथ ही, सबसे अलग नजर आएगा।

शादी के फंक्शन में स्टाइल करें ये 3 पीस आउटफिट्स

शादी के फंक्शन में न्यू और स्टाइलिश लुक के लिए ये 3 पीस आउटफिट्स वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं और इस आउटफिट को स्टाइल करने के बाद आपका लुक अलग और खूबसूरत नजर आएगा। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस 3 पीस आउटफिट्स दिखा रहे हैं जो आप शादी के फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क श्रग को-ऑर्ड सेट

रॉयल लुक के लिए आप इस तरह के एम्ब्रॉयडरी वर्क श्रग को-ऑर्ड सेट का चुनाव कर सकती हैं। इस 3 पीस आउटफिट्स में टॉप, प्लाजो साथ ही श्रग है। और इस तरह का आउटफिट आप शादी के फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का आउटफिट आप कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ 2,000 से 3,000 रुपये की कीमत में ले सकती हैं। इस आउटफिट के साथ चोकर या पर्ल वर्क ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं इस आउटफिट के साथ आप फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं।

चेहरे पर ग्लिसरीन लगाने से मिलते हैं ये फायदे

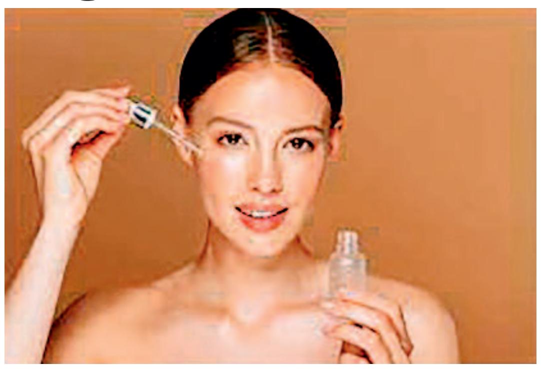

त्वचा पर तरह-तरह ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ प्रोडक्ट स्किन को फायदा पहुंचाते हैं, तो अन्य नुकसान। क्या आपने कभी अपने चेहरे पर ग्लिसरीन का इस्तेमाल किया है? ग्लिसरीन त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

ड्राई स्किन से लेकर ऑइली स्किन तक के लिए ग्लिसरीन का उपयोग किया जा सकता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि चेहरे पर ग्लिसरीन का किन तरीकों से उपयोग करना चाहिए।

ग्लिसरीन वेजिटेबल और एनिमल फैट से बनाया जाता है। यह देखने में क्लियर और कलरलेस होता है। ग्लिसरीन से किसी प्रकार की कोई खुशबू नहीं आती है। यह एक तरह का मॉइश्चराइजर है, जिसका इस्तेमाल चेहरे पर किया जाता है। अगर आपकी ड्राई स्किन है, तो चेहरे पर ग्लिसरीन का उपयोग कर सकती हैं। ग्लिसरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर के रूप में काम करता है। चेहरे को साफ करके त्वचा पर ग्लिसरीन लगे आप ग्लिसरीन का इस्तेमाल रोजाना भी कर सकती है

स्किन को ओवर एक्सफोलिएट करने की वजह से स्क्रीन बैरियर डैमेज हो जाता है। यही नहीं, केमिकल प्रोडक्ट्स और दवाइयां के साइड इफेक्ट्स के कारण भी यह समस्या होने लगती है। स्क्रीन बैरियर डैमेज ना हो इसके लिए आप ग्लिसरीन का इस्तेमाल कर सकती हैं। बैक्टीरियल इन्फेक्शन और ड्राई स्किन एक्ने ब्रेकआउट, ये सभी समस्याएं भी डैमेज स्किन बैरियर के लक्षण हैं। स्किन बैरियर डैमेज न हो, इसके लिए त्वचा पर ग्लिसरीन का इस्तेमाल करें। इसके उपयोग से आपकी स्किन हेल्दी रहेगी। हम सभी चाहते हैं कि हमारी त्वचा की रंगत निखरे। स्किन व्हाइटनिंग के लिए बाजार में तरह-तरह के प्रोडक्ट्स मौजूद हैं। यहां तक कि ट्रीटमेंट भी किए जाते हैं। क्या आप जानती हैं कि कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट जैसी ग्लिसरीन से भी त्वचा साफ दिखने लगती है। आप स्किन व्हाइटनिंग के लिए भी ग्लिसरीन को अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकती हैं। रोजाना चेहरे पर ग्लिसरीन लगाने से आपको महीने भर में फर्क दिखने लगेगा। गहरी नमी यह त्वचा में पानी के स्तर को बढ़ाता है, जिससे रूखी त्वचा नरम और कोमल हो जाती है। त्वचा की चमक बढ़ाता है और चेहरे को हाइड्रेटेड रखता है। हाइड्रेशन बनाए रखकर यह समय से पहले आने वाली झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करने में मदद करता है।

दाग-धब्बे कम करना ग्लिसरीन और नींबू का मिश्रण त्वचा को एक्सफोलिएट कर दाग-धब्बों को कम कर सकता है।यह त्वचा की प्राकृतिक सुरक्षात्मक परत को मजबूत करता है, जिससे पर्यावरणीय नुकसान से बचाव होता है।

डायमंड की ज्वेलरी को स्टोर कीजिए बेहद सावधानी से

ज्वेलरी पहनना हर महिला को पसंद होता है। वहीं, अगर ज्वेलरी सोना या डायमंड का हो, तो महिलाएं उसे काफी संभालकर रखना पसंद करती हैं। अगर आपको भी डायमंड की ज्वेलरी पहनना पसंद है, तो इसे खरीदने के बाद सही तरह से स्टोर करना भी आना चाहिए। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे डायमंड की ज्वेलरी को स्टोर कर सकती हैं।

ज्वेलरी को एक साथ ना रखें

कई लोग आर्टिफिशियल और डायमंड की ज्वेलरी को एक साथ स्टोर करके रख देते हैं। अगर आप भी ऐसा करती हैं, तो आपको थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है। डायमंड की ज्वेलरी भले कितनी भी महंगी क्यों ना हो, यह काफी नाजुक होता है। गलत तरीके से रखने पर यह टूट सकता है। ऐसे में इसे आपको अलग डिब्बों में रखना चाहिए।

नाजुक ज्वेलरी को अलग रखें

कई बार डायमंड की छोटी ज्वेलरी जैसे कि नोज पिन गुम हो जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्हें हम भारी ज्वेलरी के साथ रख देते हैं। इन छोटी चीजों को इनके डिब्बे में रखना चाहिए। ऐसे में ये सुरक्षित रहते हैं और इन पर दाग भी नहीं लगते हैं। अगर आप भारी ज्वेलरी को मोड़कर रख देते हैं, तो ये बीच से टूट सकते हैं। चाहे ज्वेलरी कितनी भी महंगी क्यों ना हो, आपको इसे सही तरीके से ही रखना होगा।

लिक्विड लिपस्टिक शेड्स करें ट्राई, मिलेगी तारीफ

जब भी हम कहीं बाहर जाने के लिए तैयार होते हैं, तो उसके लिए सबसे पहले मेकअप करते हैं। इसके लिए हम आउटफिट के हिसाब से अपने मेकअप लुक को क्रिएट करते हैं। लेकिन मेकअप पूरा करने के लिए जरूरी है कि आप लिपस्टिक के सही शेड का ध्यान रखें। इससे लुक अच्छा लगेगा।

पिंक शेड लिक्विड लिपस्टिक

अगर आप न्यूड शेड्स वाली लिपस्टिक लगाना पसंद करती हैं, तो इसके लिए आप लिक्विड लिपस्टिक शेड को अपने लिप्स पर अप्लाई कर सकती हैं। इसमें आपको अलग-अलग लिपस्टिक के शेड्स मिल जाएंगे, जिसे आप किसी भी कलर की ड्रेस के साथ अप्लाई कर सकती हैं। लिक्विड लिपस्टिक लगाने के बाद आपको कोई ग्लॉस लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इसे आप रोजाना अपने लिप्स पर अप्लाई कर सकती हैं।

ब्राउन शेड लिक्विड लिपस्टिक करें ट्राई

अगर आप ब्राउन शेड लिपस्टिक लगाना पसंद करती हैं, तो इसके लिए आप ब्राउन लिपस्टिक के अलग-अलग शेड्स को ट्राई कर सकती हैं। लिक्विड लिपस्टिक में काफी अच्छे कलर मिल जाएंगे, जो होठों

पर लगने के बाद अच्छे लगेंगे। इसके लिए आप लाइट से लेकर डार्क हर कलर की लिपस्टिक ले सकती हैं। मानसून मेकअप लुक के लिए यह अच्छी लगेगी। इस लिपस्टिक कलर को आप ऑफिस में लगा सकती हैं। इससे आपका लुक सिंपल और एलीगेंट लगेगा।

आप अपने लिप्स पर डार्क कलर वाली लिपस्टिक को भी ट्राई कर सकती हैं। यह लिपस्टिक भी लगाने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही इससे लुक अच्छा लगेगा। आप इस तरह की लिपस्टिक को आप किसी भी आउटफिट के साथ ट्राई कर सकती हैं और लुक को परफेक्ट बना सकती हैं। इसमें आपको शेड्स कई सारे मिल जाएंगे। साथ ही इससे लुक भी अच्छा लगेगा। इस तरह की लिपस्टिक को आप नाइट पार्टी में ट्राई सकती हैं।

कार्नर न्यूज

कॉकटेल पार्टी के लिए सही से तैयार होने में मिलेगी मदद

कॉकटेल के लिए ऐसे हों तैयार कि आप बन जाएं पार्टी की शान, जानिए कुछ जरूरी टिप्स

कॉकटेल पार्टी का इनविटेशन आया है लेकिन कपड़े क्या पहने समझ नहीं पा रहे हैं तो आपको कॉकटेल पार्टी से जुड़े कुछ खास टिप्स जरूर आजमाने चाहिए। ये वो टिप्स हैं जो कॉकटेल पार्टी के लिए सही से तैयार होने में आपकी पूरी मदद करेंगे। आप इन कपड़ों में परफेक्ट दिखेंगे और पार्टी की शान बन जाएंगे। इस बात की गारंटी है। कॉकटेल पार्टी के लिए कैसे होने चाहिए कपड़े, जानते हैं-कॉकटेल अटायर मुख्य रूप से कॉकटेल पार्टी,शाम के इवेंट,रिसेप्शन और डिनर डेट पर पहनते हैं।

फैब्रिक के बारे में सोचिए

वेलवेट और सिल्क जैसे फैब्रिक कॉकटेल पार्टी में अच्छे लगते हैं। इस पर कुछ खास तरह के चेक हों तो और अच्छा है।

कैजुअल पहन सकते हैं लेकिन खास तरह से

कॉकटेल पार्टी में पूरी तरह से फॉर्मल कपड़े ही पहनने होते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि कैजुअल पहनेंगे तो दिक्कत होगी। बस इसे

खास तरह से पहनना होगा। जैसे आप टीशर्ट पहन सकते हैं लेकिन कोट के अंदर। डेनिम को भी इसी तरह ड्रेस में शामिल किया जा सकता है।

कलर का रखें ध्यान

ज्यादातर बार कॉकटेल पार्टी के लिए रंग का इनविटेशन में ही बता दिया जाता है। लेकिन फिर भी आपको रंग का इस्तेमाल करना ना समझ आए तो आप उन रंगों को एसेसरीज में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको कपड़ों के रंग भी गहरे और थोड़े रिच ही चुनने होंगे। मिडनाइट ब्लू भी एक अच्छा ऑप्शन होता है, इस कलर में फोटो भी अच्छी आती है। आप अंदर सफ़ेद टी शर्ट भी पहन सकते हैं। ये लुक तेज रोशनी में बहुत अच्छा लगेगा।

साफ-सफाई है जरूरी

आपने कितने भी अच्छे कपड़े पहने हों लेकिन आपने इनकी साफ-साफी अपर ध्यान नहीं दिया है तो आपकी साड़ी मेहनत बेकार ही जाएगी। इसलिए कड़े वही चुनें जो साफ़ हों और जिनमें अच्छे से क्रीज बनी हो।